इफको उत्पाद एक नज़र में

इंडियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड, जयपुर

तृतीय तल, नेहरु सहकार भवन, जयपुर, राजस्थान 302001

सही उत्पाद
स्वस्थ फसल

IFFCO
Wholly Owned by Cooperatives

स्वस्थ फसल
खुशहाल किसान

इफको किसानों की सेवा....

इफको भारतीय किसानों की अपनी सहकारी संस्था है। इफको की स्थापना 3 नवम्बर, 1967 को 57 सदस्य सहकारी समितियों के साथ हुई, जो आज बढ़कर लगभग 36000 सदस्य सहकारी समितियों के विशाल स्वरुप में बदल चुकी है। अपनी स्थापना से ही इफको की सर्वोच्च प्राथमिकता उच्च गुणवत्तायुक्त उर्वरक उत्पादन कर उसे उचित मूल्य एवं सही समय पर किसानों को उपलब्ध कराना रहा है। वर्तमान में इफको विश्व की उर्वरक क्षेत्र में सर्वोच्च सहकारी संस्था के रुप में अपनी पहचान बनाने में कामयाब हुई है। वर्तमान में देश के लगभग 22 प्रतिशत उर्वरकों की आपूर्ति इफको द्वारा की जा रही है।

उच्च प्रबंधन के कुशल नेतृत्व एवं दूरदृष्टि की सोच के साथ इफको ने न सिर्फ भारत में बल्कि देश की सीमाओं से परे भी उच्च क्षमता वाले उर्वरक सयंत्र स्थापित करने में सफलता प्राप्त की है। इफको के भारत में कुल पाँच उर्वरक सयंत्र हैं जो कि गुजरात राज्य में कलोल तथा कांडला, उत्तरप्रदेश में फूलपुर तथा आंवला एवं उड़ीसा राज्य के पारादीप में स्थित हैं। इफको ने भारतीय सीमाओं से बाहर भी कई देशों जैसे जार्डन, ओमान, मिस्र, सेनेगल आदि में यूरिया तथा फास्फेटिक एसिड के सयंत्र स्थापित कर अपनी पहचान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित कर, भारतीय कृषि को उर्वरक आदान में आत्मनिर्भर बनाने में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है।

सघन खेती करने के फलस्वरुप प्रति वर्ष प्रमुख तत्वों के साथ-साथ गौण व सूक्ष्म तत्वों का जमीन से लगातार ह्रास हो रहा है। परिणाम स्वरुप फसल उत्पादन में आशातित वृद्धि नहीं हो पा रही है। फसलों के लिये आवश्यक तत्वों की पूर्ति करने, कम क्षेत्र से अधिक उत्पादन प्राप्त करने तथा किसानों के आय को दुगना करने हेतु इफको द्वारा बेहतरीन गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध कराये जा रहें हैं। इस क्रम में इफको के द्वारा यूरिया, डी.ए.पी., एन.पी.के. उर्वरकों के साथ-साथ उच्च गुणवत्ता युक्त विशेष उत्पाद जैसे शत-प्रतिशत जल विलेय उर्वरक, सूक्ष्म पोषक तत्व, जैव उर्वरक एवं सागरिका इत्यादि उचित मूल्य पर उपलब्ध कराये जा रहें हैं। किसान भाई इफको के सभी उत्पाद सहकारी समितियों, इफको किसान सेवा केन्द्रों, इफको बाजार तथा आई.एफ.एफ.डी.सी. सेवा केन्द्रों से क्रय कर सकते हैं।

विषय सूची

क्र.सं.	वस्तु-विषय	पृ.सं.
1.	**नैनो उर्वरक**	**01**
1.1.	नैनो यूरिया तरल	
2.	**मुख्य उर्वरक**	**05**
2.1.	नीम कोटेड यूरिया (46%N)	
2.2.	नीम कोटेड दानेदार यूरिया (46%N)	
2.3.	डी.ए.पी. (18: 46: 0)	
2.4.	एन.पी.के. (12:32: 16)	
2.5.	एन.पी.के. (10:26:26)	
2.6.	एन.पी.एस. (20:20:0:13)	
3.	**शत-प्रतिशत जल विलेय उर्वरक**	**13**
3.1.	यूरिया फास्फेट (17:44:0)	
3.2.	एस.ओ.पी. (0:0:50 & 17.5% S)	
3.3.	यूरिया फास्फेट के साथ एस.ओ.पी. (18:18:18 & 6.1% S)	
3.4.	एन.पी.के. (19:19:19)	
3.5.	एम.ए.पी. (12:61:0)	
3.6.	एम.के.पी. (0:52:34)	
3.7.	पोटेशियम नाइट्रेट (13:0:45)	
3.8.	बोरान (20.0% B)	
3.9.	कैल्सियम नाइट्रेट (15.5% N & 18.5% Ca)	
3.10.	बोरोनेटेड कैल्सियम नाइट्रेट (14.5% N,17.0% Ca & 0.2-0.3%B)	
4.	**सूक्ष्म पोषक तत्व उर्वरक**	**25**
4.1.	जिंक सल्फेट मोनोहाईड्रेट (33% Zn & 15% S)	
4.2.	बोरान (14.5% B)	
4.3.	सल्फर बेंटोनाईट (90% S)	
4.4.	मैंगनीशियम सल्फेट (9.5% Mg & 12% S)	

क्र.सं.	वस्तु-विषय	पृ.सं.
5.	**जैविक उत्पाद**	**31**
5.1.	सागरिका K++	
5.2.	सागरिका तरल	
5.3.	आल राउंडर+	
5.4.	त्रिगुण 3-इन-1	
5.5.	नीरंज जेल	
5.6.	राइजोबियम	
5.7.	एजोटोबेक्टर	
5.8.	एजोस्पाइरिलम	
5.9.	एसिटोबेक्टर	
5.10.	फास्फोरस घोलक जैव उर्वरक (PSB)	
5.11.	एन.पी.के. कन्सार्टिया	
5.12.	पोटाश घोलक जैव उर्वरक (KMB)	
5.13.	जिंक घोलक जैव उर्वरक (ZSB)	
5.14.	जैव अपघटक (Bio Decomposer)	
6.	**किचन गार्डेनिंग संबन्धित उत्पाद (Urban Gardens Products)**	**50**
6.1.	मैजिक सॉयल (Magic Soil)	
6.2.	तुलसी ग्रो (Tulsi Grow)	
6.3.	न्यट्री रिच (Nutri Rich)	
6.4.	प्रोटेक्ट+ (Protect+)	
6.5.	ग्रीन डाइट (Green Diet)	
6.6.	सी सीक्रेट (Sea Secret)	
6.7.	लाइफ प्रो (Life Pro)	
6.8.	बोकाशी (Bokashi)	

सही उत्पाद
स्वस्थ फसल

IFFCO
Wholly Owned by Cooperatives

स्वस्थ फसल
खुशहाल किसान

नैनो उर्वरक

अब इफको नैनो यूरिया घर बैठे
iffcobazar.in पर खरीदें

मिट्टी की जान, किसान की शान।

IFFCO
Wholly Owned by Cooperatives

विश्व का पहला

इफको नैनो यूरिया
तरल

IFFCO NANO TECHNOLOGY
NANO UREA

- पर्यावरण के अनुकूल
- लागत कम करे और आय बढ़ाए
- फसल उपज को बढ़ाए
- मिट्टी की गुणवत्ता को बढ़ाए
- पारंपरिक यूरिया से सस्ता
- पौधों के पोषण में सहयोगी
- भण्डारण और परिवहन में आसान

नैनो यूरिया (तरल)

पर्यावरण अनुकूल

इफको नैनो यूरिया, नैनो तकनीकि पर आधारित एक स्वदेशी नैनो उर्वरक है जो कि इफको द्वारा विश्व में पहली बार विकसित किया गया है तथा भारत सरकार द्वारा अनुमोदित है। फसल की क्रांतिक अवस्थाओं पर नैनो यूरिया का पत्तियों पर छिड़काव करने से नाइट्रोजन की सफलतापूर्वक आपूर्ति हो जाती है, जिससे उत्पादन में वृद्धि के साथ साथ पर्यावरण भी सुरक्षित रहता है।

नैनो यूरिया के उपयोग से लाभ:

- सभी फसलों के लिए उपयोगी।
- उत्पादन वृद्धि के साथ उत्पाद गुणवत्ता में वृद्धि।
- परिवहन एवं भण्डारण खर्चों में कमी तथा सुगम परिवहन।
- बारानी फसलों में अत्याधिक उपयोगीा
- सुरक्षित एवं पर्यावरण के अनुकूल, टिकाऊ खेती हेतु उपयोगी।
- बिना उपज प्रभावित किये यूरिया या अन्य नाइट्रोजनयुक्त उर्वरकों की बचत।
- वातावरण प्रदूषण की समस्या से मुक्ति (अर्थात मिट्टी, हवा और पानी की गुणवत्ता में सुधार)। ग्रीन हाउस गैसों में कमी।
- उर्वरक उपयोग दक्षता में सार्थक सुधार।

उपयोग विधि:

- नैनो यूरिया का प्रयोग खड़ी फसल में केवल छिड़काव (स्प्रे) के द्वारा करें।
- नैनो यूरिया का 2-4 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के घोल का खड़ी फसल में छिड़काव करें।

- नाइट्रोजन की कम आवश्यकता वाली फसलों (जैसे दलहनी फसलें, सोयाबीन, मूंगफली इत्यादि) में 2 मिली. एवं नाइट्रोजन की अधिक आवश्यकता वाली फसलों (जैसे बाजरा, धान, कपास, गेहूँ इत्यादि) में 4 मिली. तक नैनो यूरिया प्रति लीटर पानी की दर से उपयोग किया जा सकता है।
- पहला छिड़काव बुवाई के 35-40 दिन बाद तथा दूसरा छिड़काव 15-20 दिन के अन्तराल पर किया जा सकता है।

नोट:

- खडी फसल में नैनो यूरिया की स्प्रे करने की दशा में साधारण यूरिया की एक ही टाप ड्रेसिंग करें।
- बिजाई के समय डीएपी या एन.पी.के. या यूरिया उर्वरकों के माध्यम से आपूर्ति की जाने वाली बेसल नाइट्रोजन को देना आवश्यक है, उसकी कटौती न करें। केवल खडी फसल में दिये जाने वाले यूरिया की मात्रा को आधा करें जो कि 1-3 भागों में दिया जाता है।
- नैनो यूरिया के स्प्रे की संख्या फसल, फसल अवधि और कुल नाइट्रोजन आवश्यकता के आधार पर बढ़ाई या घटाई जा सकती है।

उपयोग दिशा-निर्देश तथा सावधानियाँ :

- उपयोग से पहले अच्छी तरह से बोतल को हिलाएं।
- स्प्रे के लिए फ्लेट फैन नोजल का उपयोग करें।
- सुबह अथवा शाम के समय छिड़काव करें जब तेज धूप, तेज हवा तथा ओस न हो।
- यदि नैनो यूरिया के छिड़काव के 12 घंटे के भीतर बारिश होती है, तो यह सलाह दी जाती है कि छिड़काव को दोहराया जाना चाहिए।
- यदि आवश्यक हो तो, नैनो यूरिया को आसानी से जैव-उत्प्रेरक (सागरिका), 100% पानी में घुलनशील उर्वरकों और कृषि रसायनों के साथ मिलाकर उपयोग किया जा सकता है, लेकिन हमेशा मिश्रण और छिड़काव से पहले जार परीक्षण अवश्य करें।
- बेहतर परिणाम के लिए नैनो यूरिया का उपयोग इसके निर्माण की तारीख से 1 वर्ष के अंदर किया जाना चाहिए।
- यद्यपि नैनो यूरिया विष-मुक्त है, सुरक्षा की दृष्टि से फसल पर छिड़काव करते समय फेस मास्क और दस्ताने का उपयोग करने की सलाह दी जाती है।

सही उत्पाद
स्वस्थ फसल

IFFCO
Wholly Owned by Cooperatives

स्वस्थ फसल
खुशहाल किसान

इफको के मुख्य उर्वरक

मिट्टी की जान, किसान की शान।

IFFCO
UREA

IFFCO
FERTILISER
Coated

IFFCO
N P K
12-32-16
IFFCO
IFFCO
D A P
18-46-0
IFFCO
N P K

इफको नीम कोटेड यूरिया (46%N)

- इफको यूरिया एक नाइट्रोजन जनित उर्वरक है जिसमें सबसे ज्यादा नाइट्रोजन (46%N) मिलता है।
- उपयोगी नाइट्रोजन का उत्तम स्रोत।
- यह सफेद क्रिस्टल होता है, जो कि पानी में घुलनशील है।
- अन्य नाइट्रोजन जनित उर्वरकों की तुलना में कम अम्लीय प्रवृति।
- उचित एवं कृषक प्रिय दाम।
- 45 किलोग्राम पैकिंग में उपलब्ध।

लाभ:

- सभी फसलों के लिए उपयोगी।
- फसल की औजपूर्ण बढ़वार व पौधों को हरा बनाने में सहायक।
- पौधों में नयी शाखाओं को बनने में सहायक।
- बढ़वार व फुटान में तेजी लाता है।
- प्रोटीन में वृद्धि कर उपज बढ़ाने में सहायक।

उपयोग विधि:

- **मात्रा:** फसल व मिट्टी के अनुसार (राज्य की सामान्य सिफारिश के अनुसार)।
- सिफारिश की गई मात्रा का आधा भाग बुआई के समय तथा आधा भाग बुआई के 30 दिन बाद 15 दिन के अंतराल पर 2 से 3 बराबर हिस्सों में टॉप ड्रेसिंग।

इफको नीम कोटेड दानेदार यूरिया (46%N)

- इफको दानेदार यूरिया के कण साधारण यूरिया से अधिक बड़े होते हैं।
- इफको दानेदार यूरिया भी एक नाइट्रोजन जनित उर्वरक है जिसमें नाइट्रोजन (46%N) मिलता है।
- उपयोगी नाइट्रोजन का उत्तम स्रोत।
- यह सफेद क्रिस्टल होता है, जो कि पानी में घुलनशील है।
- उचित एवं कृषक प्रिय दाम।
- 45 किलोग्राम पैकिंग में उपलब्ध।

लाभ:

- इफको दानेदार यूरिया, सामान्य यूरिया की अपेक्षा अधिक लाभदायक होता है।
- इफको दानेदार यूरिया मिट्टी में धीरे-धीरे घुलता है जिससे अधिक समय तक पौधों को नाइट्रोजन मिलती रहती है।
- इफको दानेदार यूरिया मिट्टी में धीरे-धीरे घुलने के कारण मिट्टी से लीचिंग (रिसाव), वाष्पीकरण व विनाइट्रीकरण आदि कम होता है।
- इफको दानेदार यूरिया के दाने बड़े होने के कारण हवा में उड़ने तथा पत्तियों पर चिपकने की सम्भावना नहीं रहती है। दानेदार यूरिया से साधारण यूरिया की तुलना में जल व वायु प्रदूषण कम होता है।

उपयोग विधि:

- **मात्रा:** साधारण यूरिया से 5 से 10 प्रतिशत कम।
- **उपयोग समय:** साधारण यूरिया की तरह ही।
- सिफारिश की गई मात्रा का आधा भाग बुआई के समय तथा आधा भाग बुआई के 30 दिन बाद 15 दिन के अंतराल पर 2 से 3 बराबर हिस्सों में टॉप ड्रेसिंग।

डी.ए.पी (18:46:0)

- इफको डी.ए.पी एक उच्च-विश्लेषी कॉम्पलेक्स उर्वरक है, जिसमें 18% नाइट्रोजन तथा 46% फास्फेट होता है।
- डी.ए.पी. सख्त, दानेदार, भूरा, काला, बादामी रंग का होता हैं तथा नाखूनों से आसानी से नहीं छूटता।
- उपयोगी नाइट्रोजन तथा फास्फोरस का उत्तम स्रोत।
- उचित एवं कृषक प्रिय दाम।
- 50 किलोग्राम पैकिंग में उपलब्ध।

लाभ:

- सभी फसलों के लिए उपयोगी।
- जड़ों को जल्दी बनाता और उन्हें बढ़ाता है।
- फसल की औजपूर्ण बढ़वार व पौधों को हरा बनाने में सहायक।
- अधिक बढ़वार व फुटान के लिये आवश्यक।
- फल व बीज बनने में मदद कराता है।
- फसल को एक साथ व शीघ्र पकने में सहायक।

उपयोग विधि:

- **मात्रा:** फसल व मिट्टी के अनुसार (राज्य की सामान्य सिफारिश के अनुसार)।
- **उपयोग समय:** बुआई के समय सिफारिश की गई पूरी मात्रा।
- इफको डी.ए.पी. का प्रयोग कभी भी खड़ी फसल में नहीं करना चाहिये।
- सीड कम फर्टिलाइजर ड्रिल मशीन के द्वारा इफको डी.ए.पी. के उपयोग से अधिक लाभ प्राप्त होता है।

इफको एन.पी.के. (12:32:16)

- इफको एन.पी.के. (12:32:16) एक कॉम्पलेक्स उर्वरक है, जिसमें 12% नाइट्रोजन, 32% फास्फेट तथा 16% पोटाश होता है।
- उपयोगी नाइट्रोजन, फास्फोरस तथा पोटाश का उत्तम स्रोत।
- उचित एवं कृषक प्रिय दाम।
- 50 किलोग्राम पैकिंग में उपलब्ध।

लाभ:

- सभी फसलों के लिए उपयोगी।
- जड़ों को जल्दी बनाता और उन्हें बढ़ाता है।
- फसल की औजपूर्ण बढ़वार व पौधों को हरा बनाने में सहायक।
- अधिक बढ़वार व फुटान के लिये आवश्यक।
- फल व बीज बनने में मदद कराता है।
- फसल को एक साथ व शीघ्र पकने में सहायक।

उपयोग विधि:

- **मात्रा:** फसल व मिट्टी के अनुसार (राज्य की सामान्य सिफारिश के अनुसार)।
- **उपयोग समय:** बुआई के समय सिफारिश की गई पूरी मात्रा।
- इफको एन.पी.के. (12:32:16) का प्रयोग कभी भी खड़ी फसल में नहीं करना चाहिये।
- सीड कम फर्टिलाइजर ड्रिल मशीन के द्वारा इफको एन.पी.के. (12:32:16) के उपयोग से अधिक लाभ प्राप्त होता है।

इफको एन.पी.के. (10:26:26)

- इफको एन.पी.के. (10:26:26) एक कॉम्पलेक्स उर्वरक है, जिसमें 10% नाइट्रोजन, 26% फास्फेट तथा 26% पोटाश होता है।
- उपयोगी नाइट्रोजन, फास्फोरस तथा पोटाश का उत्तम स्रोत।
- उचित एवं कृषक प्रिय दाम।
- 50 किलोग्राम पैकिंग में उपलब्ध।

लाभ:

- सभी फसलों के लिए उपयोगी।
- जड़ों को जल्दी बनाता और उन्हें बढ़ाता है।
- फसल की औजपूर्ण बढ़वार व पौधों को हरा बनाने में सहायक।
- अधिक बढ़वार व फुटान के लिये आवश्यक।
- फल व बीज बनने में मदद कराता है।
- फसल को एक साथ व शीघ्र पकने में सहायक।

उपयोग विधि:

- **मात्रा:** फसल व मिट्टी के अनुसार (राज्य की सामान्य सिफारिश के अनुसार)।
- **उपयोग समय:** बुआई के समय सिफारिश की गई पूरी मात्रा।
- इफको एन.पी.के. (10:26:26) का उपयोग कभी भी खड़ी फसल में नहीं करना चाहिये।
- सीड कम फर्टिलाइजर ड्रिल मशीन के द्वारा इफको एन.पी.के. (10:26:26) के उपयोग से अधिक लाभ प्राप्त होता है।

इफको एन.पी.एस. (20:20:0:13)

- इफको एन.पी.एस. (20:20:0:13) एक एनपी उर्वरक है, जिसमें 20% नाइट्रोजन, 20% फास्फेट तथा 13% सल्फर होता है।
- उपयोगी नाइट्रोजन, फास्फोरस तथा सल्फर का उत्तम स्रोत।
- उचित एवं कृषक प्रिय दाम।
- 50 किलोग्राम पैकिंग में उपलब्ध।

लाभ:

- दलहन, तिलहन व अन्य फसलों के लिए उपयोगी।
- जड़ों को जल्दी बनाता और उन्हें बढ़ाता है।
- फसल की औजपूर्ण बढ़वार व पौधों को हरा बनाने में सहायक।
- अधिक बढ़वार व फुटान के लिये आवश्यक।
- प्रोटीन तथा तेल की मात्रा को बढ़ाता है।

उपयोग विधि:

- **मात्रा:** फसल व मिट्टी के अनुसार (राज्य की सामान्य सिफारिश के अनुसार)।
- **उपयोग समय:** बुआई के समय सिफारिश की गई पूरी मात्रा।
- इफको एन.पी.एस. (20:20:0:13) का उपयोग कभी भी खड़ी फसल में नहीं करना चाहिये।
- सीड कम फर्टिलाइजर ड्रिल मशीन के द्वारा इफको एन.पी.एस. (20:20:0:13) के उपयोग से अधिक लाभ प्राप्त होता है।

सही उत्पाद
स्वस्थ फसल

IFFCO
Wholly Owned by Cooperatives

स्वस्थ फसल
खुशहाल किसान

इफको
के शत-प्रतिशत
जल विलेय उर्वरक

अब इफको के उत्पाद घर बैठे **iffcobazar.in** पर खरीदें

इफको यूरिया फास्फेट (17:44:0)

- इफको यूरिया फास्फेट पानी में शत प्रतिशत घुलनशील उर्वरक है जिसमें 17% नाइट्रोजन व 44% फास्फोरस होती है।
- इफको यूरिया फास्फेट उपयोगी नाइट्रोजन एवं फॉस्फोरस का उत्तम स्रोत
- अम्लीय प्रवृति
- उचित एवं कृषक प्रिय दाम
- 1, 5 व 25 किलोग्राम पैकिंग में उपलब्ध

लाभ:

1. सभी फसलों के लिए उपयोगी।
2. फसल की औजपूर्ण बढ़वार व पौधों को हरा बनाने में सहायक।
3. पौधों में नयी शाखाओं को बनाने व अधिक संख्या में किल्ले बनाने में सहायक।
4. जड़ों के विकास में, नयी कोशिकाओं का बनना, बीज व फल के विकास तथा फसल का समय पर पकने में सहायक।
5. ड्रिप पाइप लाइन को साफ रखने में भी मदद करता है।

उपयोग विधि:

इफको यूरिया फास्फेट का प्रयोग फसलों की प्रारम्भिक अवस्था में करना चाहिये। इसका उपयोग जड़ उपचार, ड्रिप अथवा पर्णीय छिड़काव के द्वारा किया जा सकता है।

जड़ उपचार: 10 ग्राम/प्रति लीटर

ड्रिप: प्रति वर्ग मीटर 1.5-2.5 ग्राम इफको यूरिया फास्फेट प्रति लीटर पानी (फसल व मिट्टी के अनुसार)

पर्णीय छिड़काव: फसल अवस्था 30-40 दिन पर इफको यूरिया फास्फेट का 0.5 से 1.0 प्रतिशत का छिड़काव करें।

इफको सल्फेट आफ पोटाश, एस.ओ.पी. (0:0:50:17.5 सल्फर)

- सल्फ़ेट ऑफ पोटाश (0:0:50) भी पानी में शत प्रतिशत घुलनशील उर्वरक है, जिसमें 50% पोटाश तथा 17.5 % सल्फर होता है।
- क्लोराइड आयन से मुक्त
- नाइट्रोजन से मुक्त
- कम नमक का प्रमाण
- सामान्य सांद्रता में सभी उर्वरको के साथ संगत व्यवहार, सिवाय कैल्शियम युक्त उर्वरक
- उचित व कृषक प्रिय दाम
- 1, 5 व 25 किलोग्राम पैकिंग में उपलब्ध

लाभ:

1. पौधों की वृद्धि व विकास को बढ़ाता है।
2. फसल को विपरीत परिस्थितियों में शक्ति प्रदान करने, जैसे कि कीट, बीमारियों, नमी की कमी व अधिक व कम तापमान को सहन करने की शक्ति प्रदान करता है।
3. अधिक चमकदार एवं गुणवत्तायुक्त उत्पाद बनाने में सहायक।

उपयोग विधि:

इफको एस.ओ.पी. (0:0:50) का प्रयोग फसलों में फूल आने के पूर्व व बाद की अवस्था में करना चाहिये। इसका उपयोग ड्रिप अथवा पर्णीय छिड़काव के द्वारा किया जा सकता है।

ड्रिप : प्रति वर्ग मीटर 1.5-2.5 ग्राम इफको एस.ओ.पी. (0:0:50) प्रति लीटर पानी (फसल व मिट्टी के अनुसार)

पर्णीय छिड़काव: फसल में फूल आने के बाद इफको एस.ओ.पी. (0:0:50) का 0.5 से 1.0 प्रतिशत का एक छिड़काव करें।

इफको एसओपी के साथ यूरिया फास्फेट (18:18:18:6.1 सल्फर)

- इफको एन.पी.के. (18:18:18) पानी में शत प्रतिशत घुलनशील उर्वरक है, जिसमें 18% नाइट्रोजन, 18% फास्फोरस व 18% पोटाश के साथ-साथ 6.1% सल्फर होता है।
- इफको एन.पी.के. (18:18:18) में उपस्थित नाइट्रोजन यूरिया (एमाईड) के रुप में पाया जाता है।
- पर्णीय छिड़काव के लिये सर्वश्रेठ उर्वरक।
- संतुलित एन पी के व सल्फर उर्वरक।
- उच्च घुलनशीलता और कम नमक का प्रमाण।
- सामान्यत: सभी उर्वरकों के साथ मिलाया जा सकता है परंतु जार टेस्ट के उपरांत उपयोग करना ही सही तरीका।
- उचित एवं कृषक प्रिय दाम
- 1, 5 व 25 किलोग्राम पैकिंग में उपलब्ध

लाभ:

1. फसल को औजपूर्ण बढ़वार व पौधों को हरा बनाने में सहायक।
2. पौधों में नयी शाखाओं का बनना व अधिक संख्या में किल्ले बनाना।
3. जड़ों के विकास, नयी कोशिकाओं का बनना, बीज व फल के विकास तथा फसल के समय पर पकने में सहायक।
4. फसल को विपरीत परिस्थितियों में शक्ति प्रदान करता है, जैसा कि कीट बीमारियों, नमी की कमी व अधिक व कम तापमान को सहन करने की शक्ति देता है।
5. अधिक चमकदार एवं गुणवत्तायुक्त फसल उत्पाद बनाने में सहायक।

उपयोग विधि:

इस उर्वरक का प्रयोग फसलों की प्रारम्भिक अवस्था से लेकर फूल आने के पूर्व की अवस्था तक किया जा सकता है। इसका उपयोग ड्रिप अथवा पर्णीय छिड़काव के द्वारा किया जा सकता है।

ड्रिप: प्रति वर्ग मीटर 1.5-2.5 ग्राम इफको एन.पी.के. (18:18:18) प्रति लीटर पानी (फसल व मिट्टी के अनुसार)

पर्णीय छिड़काव: फसल उगने के 30-40 दिन से लेकर फूल आने के पूर्व की अवस्था तक इफको एन.पी.के. (18:18:18) का 0.5-1.5% का 10-15 दिन के अन्तराल पर 2-3 बार छिड़काव करें।

इफको एन.पी.के. (19:19:19)

- इफको एन.पी.के. (19:19:19) पानी में शत प्रतिशत घुलनशील उर्वरक है, जिसमें 19% नाइट्रोजन, 19% फास्फोरस व 19% पोटाश होता है।
- इफको एन.पी.के. (19:19:19) में निहित नाइट्रोजन फसलों के लिए आवश्यक तीनों रुपों में होता है। इफको एन.पी.के. (19:19:19) में 4.0% नाइट्रेट, 4.5% अमोनिकल तथा 10.5% यूरिया नाइट्रोजन के रुप में होता है।
- उचित व कृषक प्रिय दाम
- 1, 5 व 25 किलोग्राम पैकिंग में उपलब्ध

लाभ:

1. फसल की औजपूर्ण बढ़वार व पौधों को हरा बनाने में सहायक।
2. पौधों में नयी शाखाओं का बनना व अधिक संख्या में किल्ले बनाने में सहायक।
3. जड़ों के विकास, नयी कोशिकाओं का बनना, बीज व फल के विकास तथा फसल के समय पर पकने में सहायक।
4. फसल को विपरीत परिस्थितियों में शक्ति प्रदान करता है, जैसा कि कीट, बीमारियों, नमी की कमी व अधिक व कम तापमान को सहन करने की शक्ति देता है।
5. अधिक चमकदार एवं गुणवत्तायुक्त उत्पाद बनाने में सहायक।

उपयोग विधि:

इफको एन.पी.के. (19:19:19) का उपयोग फसलों की प्रारम्भिक अवस्था से लेकर फूल आने के पूर्व की अवस्था तक किया जा सकता है। इसका उपयोग ड्रिप अथवा पर्णीय छिड़काव के द्वारा किया जा सकता है।

ड्रिप: प्रति वर्ग मीटर 1.5-2.5 ग्राम इफको एन.पी.के. (19:19:19) प्रति लीटर पानी (फसल व मिट्टी के अनुसार)

पर्णीय छिड़काव: फसल उगने के बाद 30-40 दिन से लेकर फूल आने के पूर्व की अवस्था तक इफको एन.पी.के. (19:19:19) का 0.5 से 1.0 % का 10-15 दिन के अंतराल पर 2-3 बार छिड़काव करें।

इफको मोनो अमोनियम फास्फेट (एम.ए.पी.) (12:61:0)

- इफको एम.ए.पी. पानी में शत प्रतिशत घुलनशील उर्वरक है, जिसमें 12% नाइट्रोजन तथा 61% फास्फोरस होता है।
- प्रारम्भिक अवस्था में इफको एम.ए.पी. के उपयोग से अधिक लाभ।
- उचित व कृषक प्रिय दाम।
- 1, 5 व 25 किलोग्राम पैकिंग में उपलब्ध।

लाभ:

1. फसल की औजपूर्ण बढ़वार व पौधों को हरा बनाने में।
2. पौधों में नयी शाखाओं का बनना व अधिक संख्या में किल्ले बनाने में सहायक।
3. जड़ों के विकास में, नयी कोशिकाओं को बनाने में, बीज व फल के विकास तथा फसल के समय पर पकने में सहायक।

उपयोग विधि:

इफको एम.ए.पी. का उपयोग फसलों की प्रारम्भिक अवस्था में करना चाहिये। इफको एम.ए.पी. का उपयोग जड़ उपचार, ड्रिप अथवा पर्णीय छिड़काव के द्वारा किया जा सकता है।

जड़ उपचार: 10 ग्राम/प्रति लीटर

ड्रिप: प्रति वर्ग मीटर 1.5-2.5 ग्राम इफको एम.ए.पी. प्रति लीटर पानी (फसल व मिट्टी के अनुसार)

पर्णीय छिड़काव: फसल अवस्था 30-40 दिन पर इफको एम.ए.पी. का 0.5 से 1.0 % का एक छिड़काव करें।

इफको मोनो पोटेशियम फास्फेट (एम.के.पी.) (0:52:34)

- इफको एम.के.पी. पानी में शत प्रतिशत घुलनशील उर्वरक है, जिसमें 52% फास्फोरस व 34% पोटाश होता है।
- इफको एम.के.पी. का उपयोग फसल की मध्यम अवस्था से फसल पकने की अवस्था तक अधिक लाभदायक।
- उचित व कृषक प्रिय दाम।
- 1, 5 व 25 किलोग्राम पैकिंग में उपलब्ध।

लाभ:

1. जड़ों के विकास में, नयी कोशिकाओं को बनाने में, बीज व फल के विकास तथा फसल को समय पर पकाने में सहायक।
2. फसल को विपरीत परिस्थितियों में शक्ति प्रदान करता है, जैसा कि कीट बीमारियों, नमी की कमी व अधिक व कम तापमान को सहन करने की शक्ति देता है।
3. अधिक चमकदार एवं गुणवत्तायुक्त उत्पाद बनाने में।

उपयोग विधि:

इफको एम.के.पी. का प्रयोग फसलों में ड्रिप अथवा पर्णीय छिड़काव के द्वारा किया जा सकता है।

ड्रिप: प्रति वर्ग मीटर 1.5-2.5 ग्राम इफको एम.के.पी. प्रति लीटर पानी (फसल व मिट्टी के अनुसार)

पर्णीय छिड़काव: फसल अवस्था 40-50 दिन के बाद से फूल आने के बाद की अवस्था तक इफको एम.के.पी. का 0.5 से 1.0% का 10-15 दिन की अंतराल पर 2-3 बार छिड़काव करें।

इफको पोटेशियम नाइट्रेट (13:0:45)

- इफको पोटेशियम नाइट्रेट पानी में शत प्रतिशत घुलनशील उर्वरक है, जिसमें 13% नाइट्रोजन व 45% पोटाश होता है।
- इफको पोटेशियम नाइट्रेट का फसल की मध्यम अवस्था से फसल पकने की अवस्था तक छिड़काव फसलों के लिए अधिक लाभदायक ।
- उचित व कृषक प्रिय दाम।
- 1, 5 व 25 किलोग्राम पैकिंग में उपलब्ध।

लाभ:

1. फसल को औजपूर्ण बढ़वार व पौधों को हरा बनाने में।
2. फसल को विपरीत परिस्थितियों में शक्ति प्रदान करता है, जैसा कि कीट बीमारियों, नमी की कमी व अधिक व कम तापमान को सहन करने की शक्ति देता है।
3. अधिक चमकदार एवं गुणवत्तायुक्त उत्पाद बनाने में सहायक।

उपयोग विधि:

इफको पोटेशियम नाइट्रेट का उपयोग फसलों में ड्रिप अथवा पर्णीय छिड़काव के द्वारा किया जा सकता है।

ड्रिप: प्रति वर्ग मीटर 1.5-2.5 ग्राम इफको पोटेशियम नाइट्रेट प्रति लीटर पानी (फसल व मिट्टी के अनुसार)

पर्णीय छिड़काव: फसल में फूल आने के बाद इफको पोटेशियम नाइट्रेट का 0.5 से 1.0 प्रतिशत का एक छिड़काव करें।

इफको बोरॉन (डाई सोडियम अक्टाबोरेट टेट्रा हाईड्रेट) (B 20.0%)

- इफको बोरान (डाई सोडियम अक्टाबोरेट टेट्रा हाईड्रेट) में 20.0% बोरान पाउडर के रुप में होता है, जो कि शत प्रतिशत जल में घुलनशील उर्वरक है।
- यह अधिक उपज देने वाली सभी प्रकार की फसलों के उत्पादन बढ़ाने में महत्वपूर्ण है।
- उचित व कृषक प्रिय दाम।
- 250 ग्राम तथा 1 किलोग्राम पैकिंग में उपलब्ध।

लाभ:

1. इफको बोरॉन 20% का फसलों में फूल, फल व बीज बनने में मुख्य योगदान होता है, सभी फसलों में फूल झड़ना व फल वाली फसलों में फूल व फल झड़ने से रोकना तथा फलों के अच्छे आकार व गुणवत्ता बढ़ाने में सहायक है।
2. इफको बोरॉन 20% मिट्टी से कैल्सियम के अवशोषण व उपयोगिता को बढ़ाता है, अत: पौधों के तने की मजबूती व नई शाखाएँ बनने में सहायक है।

उपयोग विधि:

- इफको बोरॉन 20% का उपयोग खड़ी फसल में फूल खिलने के पूर्व व फूल खिलने के समय पर्णीय छिड़काव (Foliar Spray) के द्वारा किया जा सकता है।
- छिड़काव में 1-2 ग्राम इफको बोरॉन 20% प्रति लीटर पानी के हिसाब से अच्छी तरह गरम पानी में घोल कर प्रयोग करें। छिड़काव एक से दो सप्ताह के अंतराल पर कर सकते हैं।
- छिड़काव विधि से पौधों को सीधे पत्तियों के द्वारा बोरॉन तत्व की प्राप्ति हो जाती है, जिससे पैदावार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
- इफको बोरॉन 20% का प्रयोग बुआई के समय या खड़ी फसल में 40-50 दिन की अवस्था पर 1-2 किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से सीधे छिड़काव (Top Dressing) अथवा फर्टिगेशन के माध्यम से किया जा सकता है।

इफको कैल्शियम नाइट्रेट (15.5% N & 18.5% Ca)

- इफको कैल्शियम नाइट्रेट उर्वरक भी पानी में पूर्णतया घुलनशील है, जिसमें 15.5% नाइट्रोजन तथा 18.5% कैल्शियम होता है।
- कैल्शियम एक द्वितीयक पोषक तत्व है मिट्टी में जिसकी कमी की अवस्था में कैल्शियम के उपयोग से फसल उत्पादन पर अच्छा असर पड़ता है। साथ ही साथ कैल्शियम मिट्टी की संरचना बनाने में सहायक होता है। फसलों में इसके प्रयोग करने से मिट्टी में पहले से उपलब्ध अन्य तत्वों जैसे पोटेशियम, मैग्नीशियम व कैल्सियम की उपलब्धता को बढ़ाता है।
- 10 व 25 किलोग्राम पैकिंग में उपलब्ध।

लाभ:

1. फसल को औजपूर्ण बढ़वार व पौधों को हरा बनाने में सहायक।
2. पौधों में नयी शाखाओं को बनाने व अधिक संख्या में किल्ले बनाने में सहायक।
3. फसलों की शारीरिक रचना बनाने में।
4. नयी कोशिका बनाने, बढ़वार व जड़ों के विकास में सहायक।
5. इसके साथ-साथ फूल व फलों को बनाने में व झड़ने से रोकने में सहायक।
6. फसल की गुणवत्ता व भण्डारण अवधि को बढ़ाने में सहायक।

उपयोग विधि:

इफको कैल्शियम नाइट्रेट का उपयोग खड़ी फसल में, मिट्टी में सीधे, ड्रिप अथवा पर्णीय छिड़काव के द्वारा किया जा सकता है।

खड़ी फसल में (मिट्टी में सीधे): खड़ी फसल में इफको कैल्सियम नाइट्रेट का उपयोग 25-50 किलोग्राम/एकड़ की दर से दो से तीन बार में बढ़वार व फूल बनने के समय प्रयोग कर सकते है।

ड्रिप: 1.5-2.5 ग्राम/लीटर/वर्ग मीटर (फसल व मिट्टी के अनुसार)

पर्णीय छिड़काव: फसल अवस्था 30-40 दिन पर कैल्शियम नाइट्रेट का 0.5 से 0.8 प्रतिशत का छिड़काव करें। कैल्सियम नाइट्रेट का छिड़काव फूल आने के पूर्व से फल बनने तक 2-3 बार कर सकते है।

इफको बोरोनेटेड कैल्शियम नाइट्रेट
(14.5% N, 17.0% Ca & 0.2-0.3% B)

- इफको बोरोनेटेड कैल्शियम नाइट्रेट उर्वरक भी पानी में पूर्णतया घुलनशील है, जिसमें 14.5% नाइट्रोजन, 17.0% कैल्शियम तथा 0.2-0.3% बोरॉन होता है।
- जिन खेतों में बोरॉन की कमी अथवा जिन फसलों में फूल कम बनने व झड़ने की समस्या होती है, कैल्सियम नाइट्रेट बोरोनेटेड उर्वरक ज्यादा लाभदायक होता है।
- फसलों में इसके प्रयोग करने से मिट्टी में पहले से उपलब्ध अन्य तत्वों के अवशोषण को बढ़ाता है।
- उचित व कृषक प्रिय दाम ।
- 10 व 25 किलोग्राम पैकिंग में उपलब्ध।

लाभ:

1. सभी फसलों के लिए उपयोगी।
2. फसल को औजपूर्ण बढ़वार व पौधों को हरा बनाने में सहायक।
3. पौधों में नयी शाखाओं को बनाने व अधिक संख्या में किल्ले बनाने में सहायक।
4. फसलों की शारीरिक रचना बनाने में सहायक।
5. नयी कोशिका बनाने, बढ़वार व जड़ों के विकास में सहायक।
6. इसके साथ-साथ फूल व फलों को बनाने में व फसल को झड़ने व नीचे गिरने से रोकने में सहायक।
7. फसल की गुणवत्ता व भण्डारण अवधि को बढ़ाने में सहायक।

उपयोग विधि:

इफको बोरोनेटेड कैल्शियम नाइट्रेट का उपयोग खड़ी फसल में, मिट्टी में सीधे, ड्रिप अथवा पर्णीय छिड़काव के द्वारा किया जा सकता है।

खड़ी फसल में (मिट्टी में सीधे): खड़ी फसल में इफको बोरोनेटेड कैल्शियम नाइट्रेट का उपयोग 25-50 किलोग्राम/एकड़ की दर से दो से तीन बार करते हैं। फसल की उत्पादन क्षमता के अनुसार बढ़वार व फसल पर फूल बनने के समय प्रयोग कर सकते है।

ड्रिप: 1.5-2.5 ग्राम/लीटर/वर्ग मीटर (फसल व मिट्टी के अनुसार)

पर्णीय छिड़काव: फसल अवस्था 30-40 दिन पर कैल्शियम नाइट्रेट का 0.5 से 0.8 प्रतिशत का छिड़काव करें। कैल्सियम नाइट्रेट का छिड़काव फूल आने के पूर्व से फल बनने तक 2-3 बार कर सकते है।

शत-प्रतिशत जल विलेय उर्वरक के उपयोग में सावधानियाँ:

1. सिफारिश प्रतिशत के घोल का छिड़काव करें।
2. जल विलेय उर्वरक की क्षमता बढ़ाने हेतु घोल के साथ फिक्सर, सर्फेक्टेंट का उपयोग करें।
3. वर्षा एवं तेज हवा होने पर छिड़काव न करें।
4. छिड़काव सुबह 9 बजे के बाद से शाम तक करें।
5. छिड़काव के समय पत्तियों को अच्छी तरह भिगोएं।
6. छिड़काव के समय फव्वारे/नोजल को हवा की दिशा में रखें तथा उचित प्रकार के नोजल को उपयोग में लाएं।
7. प्रायः शत प्रतिशत जल विलेय उर्वरकों का उपयोग सभी प्रकार के उर्वरकों तथा कीटनाशी के साथ किया जा सकता है, लेकिन फास्फोरस जनित जल विलेय उर्वरकों का उपयोग कैल्सियम तथा जिंक सल्फेट, फेरस सल्फेट, कॉपर सल्फेट व मैंगनीज सल्फेट के साथ नहीं करना चाहिये।

सही उत्पाद
स्वस्थ फसल

IFFCO
Wholly Owned by Cooperatives

स्वस्थ फसल
खुशहाल किसान

इफको के सूक्ष्म एवं द्वितीय पोषक तत्व उर्वरक

अब इफको के उत्पाद घर बैठे **iffcobazar.in** पर खरीदें

इफको जिंक सल्फेट मोनोहाइड्रेट (Zn-33%, S-15%)

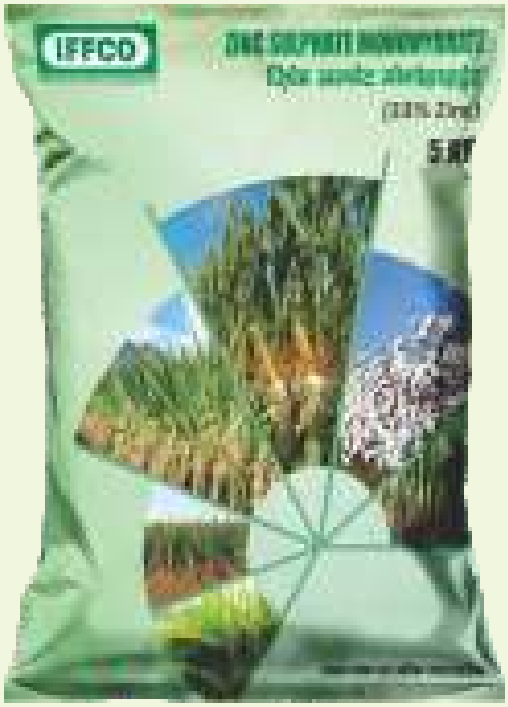

- इफको जिंक सल्फेट मोनोहाइड्रेट में जिंक 33% तथा सल्फर 15% होता है।
- इफको जिंक सल्फेट मोनोहाइड्रेट पौधों का विकास, बढ़वार तथा अधिक उत्पादन में लाभदायक।
- जिंक सल्फेट मोनोहाइड्रेट धान की फसल में खैरा रोग को रोकने में कारगर।
- उचित व कृषक प्रिय दाम।
- 1, 5 व 25 किलोग्राम पैकिंग में उपलब्ध।

लाभ:

1. अधिक किल्ले निकलने में सहायक।
2. फसल को एक साथ पकने में सहायक।
3. पौधों में उत्प्रेरक के उत्पादन, नाइट्रोजन व फास्फोरस के पौधों में उपयोग को बढ़ाने में सहायक।
4. कई प्रकार के रस उत्पादन, उनके सक्रिय बनाने व पौधों में प्रोटीन उत्पादन में सहायक।
5. तेल वाली फसलों में तेल उत्पादन व तेल में तीखापन को बढ़ाने में सहायक।
6. जड़ों में नाइट्रोजन स्थिरीकरण को बढ़ाने में सहायक।

उपयोग विधि:

इफको जिंक सल्फेट मोनोहाइड्रेट का उपयोग फसलों में बुआई के समय व खड़ी फसल में मिट्टी में सीधे अथवा फसलों पर पर्णीय छिड़काव के द्वारा किया जा सकता है।

बुआई के समय व खड़ी फसल में मिट्टी में सीधे:

- समान्यतया फसलों में इफको जिंक सल्फेट मोनोहाइड्रेट 6-7 किलोग्राम/एकड़ की दर से डालें। बुआई के समय 2-3 किलोग्राम/ एकड़ तथा आवश्यकता पड़ने पर खड़ी फसल में 40-45 दिन की अवस्था पर उपयोग करें।
- धान की फसल में पौध रोपने के 25-30 दिन के बाद इफको जिंक सल्फेट मोनोहाइड्रेट का 6-7 किलोग्राम/एकड़ प्रयोग करें।

पर्णीय छिड़काव:

- छिड़काव में 2-3 ग्राम इफको जिंक सल्फेट मोनोहाइड्रेट + 2.5 ग्राम चूना या 10 ग्राम यूरिया प्रति लीटर पानी के हिसाब से अच्छी तरह घोल कर प्रयोग करें। छिड़काव एक से दो सप्ताह के अंतराल पर करें।

जिंक सल्फेट मोनोहाइड्रेट के पर्णीय छिड़काव से लाभ: छिड़काव विधि से पौधों को सीधे पत्तियों के द्वारा जिंक तत्व की प्राप्ति हो जाती है, जिससे पैदावार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

इफको बोरॉन (डाई सोडियम टेट्रा बोरेट पेंटा हाईड्रेट) (B 14.5%)

- इफको बोरान (डाई सोडियम टेट्रा बोरेट पेंटा हाईड्रेट) में 14.5% बोरान पाउडर के रुप में होता है।
- बोरॉन एक आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्व है।
- यह अधिक उपज देने वाली सभी प्रकार की फसलों के उत्पादन बढ़ाने में महत्वपूर्ण है।
- उचित व कृषक प्रिय दाम।
- 1 किलोग्राम पैकिंग में उपलब्ध।

लाभ:

1. इफको बोरॉन का फसलों में फूल, फल व बीज बनने में मुख्य योगदान होता है, सभी फसलों में फूल झड़ना व फल वाली फसलों में फूल व फल झड़ने से रोकना तथा फलों के अच्छे आकार व गुणवत्ता बढ़ाने के लिए महत्त्वपूर्ण है।
2. इफको बोरॉन मिट्टी से कैल्सियम के अवशोषण व उपयोगिता को बढ़ाता है, अत: पौधों के तने की मजबूती व नई शाखाएँ बनने में सहायक है।

उपयोग विधि:

इफको बोरॉन का उपयोग फसलों में बुआई के समय व खड़ी फसल में मिट्टी में सीधे अथवा पर्णीय छिड़काव के द्वारा किया जा सकता है।

बोरॉन का बुआई व खड़ी फसलों में प्रयोग

समान्यतया फसलों में इफको बोरॉन का दोमट व भारी मिट्टियों में 4-6 किग्रा/एकड़ तथा हल्की मिट्टियों में 3-4 किग्रा/ एकड़ की दर से उपयोग करते हैं।

फसलों में इफको बोरॉन का प्रयोग बुआई के समय या खड़ी फसल में 40-50 दिन की अवस्था तक प्रयोग करें। बोरॉन क्षारीय मिट्टी में प्रयोग करने से पौधों को उपलब्ध नहीं होता है। अत: ऐसी मिट्टीयों में छिड़काव द्वारा प्रयोग करें।

इफको सल्फर बेंटोनाइट (S 90%)

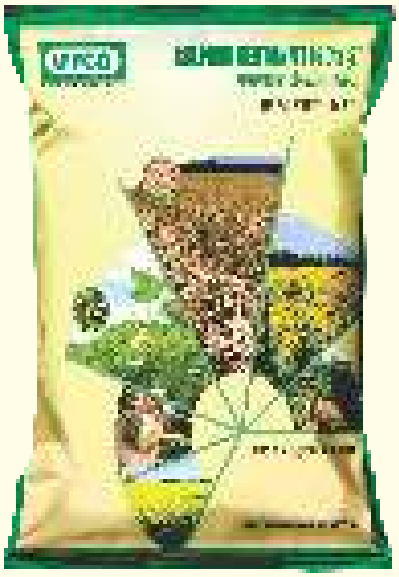

- इफको सल्फर बेंटोनाइट एक सल्फर जनित उर्वरक है, जिसमें 90% सल्फर तथा 10% बेंटोनाइट होता है।
- सल्फर एक आवश्यक द्वितीय पोषक तत्व है, जिसकी मुख्य पोषक तत्वों (एन.पी.के.) की तुलना में मांग कम होती है।
- सल्फर का तेल वाली फसलों के साथ-साथ सभी प्रकार की फसलों के उत्पादन बढ़ाने में विशेष योगदान होता है।
- सल्फर बेंटोनाईट उर्वरक फसलों को सल्फर की मांग पूरा करने के लिए सबसे अच्छा उत्पाद है, जिसमें 90% सल्फर होता है।
- उचित व कृषक प्रिय दाम
- 5 किलोग्राम पैकिंग में उपलब्ध

लाभ:

1. पौधों को हरा बनाने में सहायक।
2. कई प्रकार के रस उत्पादन, उनके सक्रिय बनाने व पौधों में प्रोटीन उत्पादन में सहायक है।
3. तेल वाली फसलों में तेल उत्पादन व तेल में तीखापन को बढ़ाने में सहायक।
4. जड़ों में नाइट्रोजन स्थिरीकरण को बढ़ाने में सहायक।

उपयोग विधि:

इफको सल्फर बेंटोनाइट का उपयोग मिट्टी में सीधे बुआई के समय अथवा खड़ी फसल में बुआई से 40-50 दिन तक करनी चाहिये। तेल व दाल वाली फसलों में सल्फर बेंटोनाइट 12-15 किलोग्राम/एकड़, अनाज वाली फसलों में 8-10 किलोग्राम/एकड़ तथा फल व सब्जी वाली फसलों में 10-12 किलोग्राम/एकड़ की दर से करना चाहिये।

इफको मैग्नीशियम सल्फेट (Mg-9.5%, S-12%)

- इफको मैग्नीशियम सल्फेट 9.5% मैग्नीशियम तथा 12% सल्फर होता है।
- मैग्नीशियम तथा सल्फर द्वितीय पोषक तत्व हैं, फसलों को जिनकी आवश्यकता एनपीके तत्वों की तुलना में कम होती है।
- उचित व कृषक प्रिय दाम।
- 25 किलोग्राम पैकिंग में उपलब्ध।

लाभ:

1. मैग्नीशियम सल्फेट क्लोरोफिल की मात्रा को बढ़ाता है तथा पौधों को हरा रखता है।
2. मैग्नीशियम सल्फेट कई प्रमुख एन्जाईमों के उत्प्रेक का कार्य करता है।
3. प्रकाश संश्लेषण में प्रमुख भूमिका निभाता है। पौधों में कार्बोहाइड्रेट के उपयोग को बढ़ाता है।
4. वसा के उपापचय एवं तेल के संश्लेषण में भी उत्प्रेक का कार्य करता है।
5. शर्करा के निर्माण व पौधों में प्रवाह के लिये एंजाइम को गतिशील करता है।
6. पौधों द्वारा फास्फोरस ग्रहण करने व पौधों के अन्दर इसके प्रवाह को बढ़ाता है।

उपयोग विधि:

मैग्नीशियम सल्फेट का उपयोग फसलों में बुआई के समय व खड़ी फसल में मिट्टी में सीधे अथवा पर्णीय छिड़काव के द्वारा किया जा सकता है।

मैग्नीशियम सल्फेट का बुआई व खड़ी फसलों में प्रयोग

समान्यतया फसलों में मैग्नीशियम सल्फेट का दोमट व भारी मिट्टियों में 50-60 किग्रा/एकड़ तथा हल्की मिट्टियों में 40-50 किग्रा/ एकड़ की दर से उपयोग करते हैं।

फसलों में छिड़काव

5 ग्राम मैग्नीशियम सल्फेट प्रति लीटर पानी के घोल का 10-15 दिन के अन्तराल पर 2 या 3 बार छिड़काव करें।

सही उत्पाद
स्वस्थ फसल

IFFCO
Wholly Owned by Cooperatives

स्वस्थ फसल
खुशहाल किसान

इफको के जैविक उत्पाद

अब इफको के उत्पाद घर बैठे **iffcobazar.in** पर खरीदें

इफको सागरिका K++ (Sagarika K++)

- इफको सागरिका K++ एक जैविक उत्पाद है जोकि गन्ने से चीनी बनाने की प्रक्रिया में एक उप उत्पाद (By Product) है।
- इफको सागरिका K++ में जैविक रुप में 14.5% पोटाश उपलब्ध होता है। साथ में कैल्शियम, जिंक, लोहा, तांबा, मैंग्नीज तथा अन्य तत्व भी उपलब्ध होता है।
- 10 किलोग्राम बाल्टी तथा बैग में उपलब्ध।

लाभ:

- सुरक्षित एवं पर्यावरण के अनुकूल, पौधों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं, टिकाऊ खेती हेतु उपयोगी।
- इफको सागरिका K++ पौधे के विकास में मदद करने तथा सूखे, पाले, बीमारियों तथा कीट पतंगों के प्रति प्रतिरोधक क्षमता का विकास करने में सहायक।
- प्रकाश संश्लेषण की क्रिया को बढ़ाता है, जिससे पौधे अधिक मात्रा में भोजन बनाते हैं। पौधों के विकास में कार्य करने वाले सभी एंजाइमों की गतिविधियों को बढ़ाता है।
- फसल उत्पाद की गुणवत्ता में वृद्धि, फलों के बेहतर आकार-प्रकार व स्वाद में वृद्धि ।
- उपज की मात्रा तथा गुणवत्ता को बढ़ाता है तथा भंडारण क्षमता को बढ़ाता है।

उपयोग विधि:

- सभी धान्य फसलों, दलहन, तिलहन, फलों एवं सब्जियों, शर्करा व रेशे वाली फसलों, बागवानी फसलों, औषधीय एवं सुगंधीय फसलों के लिए उपयुक्त।
- इफको सागरिका K++ का 10 किग्रा प्रति एकड़ की दर से बुआई अथवा खड़ी फसल में 15-20 दिन के अंतराल पर दो बार उपयोग करें।
- बागवनी फसलों में 100-150 ग्राम प्रति पौधा की दर से उपयोग करें।
- इफको सागरिका K++ का उपयोग अकेले अथवा अन्य उर्वरकों/मिट्टी के साथ मिलाकर किया जा सकता है।

इफको सागरिका तरल (Liquid Sea weed Extract)

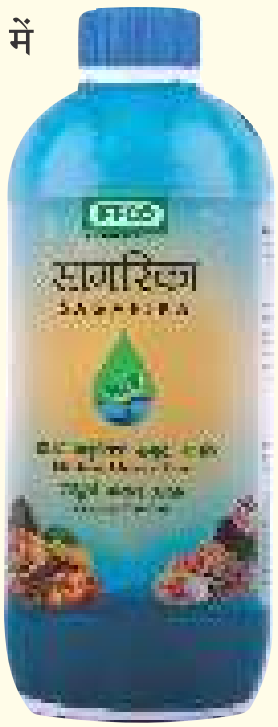

- इफको सागरिका मछुवारों द्वारा भारत के दक्षिणी पूर्व तट पर समुंद्र में उगाई गयी लाल शैवाल (समुंद्री घास) के रस से बनाया जाता है।
- इफको सागरिका एक पूर्णता जैविक उत्पाद है, जिसमें 28 प्रतिशत समुंद्री घास का रस होता है।
- इफको सागरिका पौध विकास प्रोत्साहक (Plant Growth Promoter) के रुप में कार्य करता है।
- इफको सागरिका में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, लवण, अन्य निहित पोषक तत्त्व, विटामिन, पौध वृद्धि प्रोत्साहक (PGPs) जैसे ऑक्सिन, साइटोकाईनिन और जिबरेलिन, बीटेन, मेनीटोल इत्यादि मूल रुप में निहित हैं।
- उचित व कृषक प्रिय दाम।
- 100, 250, 500 तथा 1000 मिली लीटर बोतल में उपलब्ध।

लाभ:

- सुरक्षित एवं पर्यावरण के अनुकूल, पौधों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं, टिकाऊ खेती हेतु उपयोगी।
- पौधों की आंतरिक क्रियाओं को बढ़ाता है; पौधों का सम्पूर्ण विकास करता है।
- अधिक जड़ बनाने तथा विकास में सहायक ।
- अधिक फूल और फल बनाने में सहायक।
- फसल उत्पाद की गुणवत्ता में वृद्धि-फलों के बेहतर आकार-प्रकार, समानता, रंग व स्वाद में वृद्धि ।
- फसल को प्रतिकूल अवस्था को सहन करने की शक्ति तथा कीट व बीमारियों के प्रति प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है।

उपयोग विधि:

- सभी धान्य फसलों, दलहन, तिलहन, फलों एवं सब्जियों, शर्करा व रेशे वाली फसलों, बागवानी फसलों, औषधीय एवं सुगंधीय फसलों के लिए उपयुक्त।
- जड़/बीज उपचार अथवा पर्णीय छिड़काव के द्वारा इफको सागरिका का उपयोग लाभकारी होता है।
- **बीज उपचार:** 2-3 मिलीलीटर प्रति किलोग्राम बीज।
- **जड़ उपचार:** 20-30 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी।
- **पर्णीय छिड़काव:** 200-400 मिलीलीटर प्रति एकड़ 200 लीटर पानी में।
    - प्रथम छिड़काव - फसल बढ़वार / किल्ले निकलने की अवस्था पर।
    - दूसरा छिड़काव- फूल निकलने से पहले की अवस्था पर।
    - तीसरा छिड़काव- फूल निकलने के बाद की अवस्था पर।
- सुबह के समय ओंस खत्म होने के बाद स्प्रे / छिड़काव करें।
- प्राय: सभी कीटनाशी, फफूंदनाशी व पानी में शत-प्रतिशत घुलनशील उर्वरकों के साथ मिलाकर प्रयोग किया जा सकता है।

ALL ROUNDER+ (आल राउंडर+)

ऑल राउंडर+ सभी फसलों, सब्जियों और फलों के लिए उपयुक्त है। यह एक जैव सुरक्षा उत्पाद है। इफको द्वारा विकसित यह एक अनूठा उत्पाद है। यह जीवाणुनाशक और कवकनाशी का एक अद्वितीय सूत्रण है जिसमें वायु जनित रोगजनकों, जो पौधे के तने और पत्तियों पर हमला करते हैं, को नियंत्रित करते हैं। यह पौधे की सुरक्षा और उपज बढ़ाने का उत्तम उत्पाद है।

लाभ:

- सुरक्षित एवं पर्यावरण के अनुकूल, टिकाऊ खेती हेतु उपयोगी।
- फसलों के जमीन के ऊपरी भाग में जीवाणु व फफूद द्वारा फैलने वाले रोग प्रबंधन में अत्यधिक उपयोगी है।
- यह रस चूसने वाले कीटों और वायरस रोगों के प्रबंधन में भी मदद करता है, जब निरंज जेल के साथ उपयोग किया जाता है।

प्रयोग विधि:

बीज उपचार: 20 मिलीलीटर प्रति किलोग्राम बीज का उपचार करें।

पर्णीय छिडकाव: रोपाई के 10 दिन या बुवाई के 15 दिन बाद 5 से 10 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। हर 10-15 दिनों में दोहराएं।

ड्रिप/टपक सिचाई: एक फसल चक्र में 1-2 लीटर / एकड़ ड्रिप सिंचाई के माध्यम से हर 20-25 दिनों में लगाएं।

मिट्टी में सीधे उपयोग: 1-2 लीटर को 1 टन गोबर की खाद / वर्मीकम्पोस्ट या 200 किलोग्राम नीम केक के साथ मिलायें तथा 30-35% नमी बनाते हुये 15 से 20 दिनों के लिए छाया में रखें। बुवाई या रोपाई से एक सप्ताह पहले इस समृद्ध मिश्रण को 1 एकड़ में समान रूप से फैलाएं।

सावधानियाँ:

- यह किसी भी रासायनिक कीटनाशक, पानी में घुलनशील उर्वरकों और सूक्ष्म पोषक तत्वों के साथ मिलाकर उपयोग किया जा सकता है (जीवाणु और कार्बेन्डाजिम को छोड़कर)।
- सर्वोत्तम परिणामों के लिए नीरंज जेल के साथ 5 ग्राम / लीटर का उपयोग करें।

TRIGUN 3-IN-1 (त्रिगुण 3–इन–1)

यह एक पौध सुरक्षा उत्पाद है जो कि कवकनाशी, जीवाणुनाशी एवं निमोटोडनाशी का एक अद्भुत मिश्रण है। यह मृदा जनित कवक, जीवाणु और निमोटोड रोगों से पौधों को प्रतिरोध प्रदान करता है। यह लगभग सभी फसलों में विल्ट और निमोटोड को नियंत्रित करता है।

उपयोग से लाभ:

- यह जैव कवकनाशी, जैव कीटनाशक के रूप में कार्य करता है और नेमाटोड को भी नियंत्रित करता है।
- इसका उपयोग जैविक और गहन खेती दोनों में किया जा सकता है।
- इसका उपयोग स्प्रे या ड्रिप सिंचाई या ड्रेंचिंग या अन्य उर्वरकों के साथ मिलाकर बुआई के समय जड क्षेत्र में उपयोग में की जा सकती है।
- यह कम लागत में अधिक उपज और गुणवत्ता युक्त उत्पाद देता है।
- यह किसी भी रासायनिक कीटनाशक, पानी में घुलनशील उर्वरकों और सूक्ष्म पोषक तत्वों के साथ मिलाकर उपयोग किया जा सकता है।

प्रयोग विधि:

- **स्प्रे:** 5 से 10 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी
- **बीजोपचार:** 20 मिलीलीटर प्रति किलोग्राम बीज
- **टपक (ड्रिप) सिंचाई:** 2.5–5 लीटर प्रति हैक्टेयर ड्रिप सिंचाई के माध्यम से हर 20–25 दिनों के अंतराल पर लगायें।
- **सीधे मिट्टी में उपयोग:** 2.5–5 लीटर को 2.5 टन गोबर की खाद/वर्मीकम्पोस्ट या 500 किलोग्राम नीम केक में मिलाएं और 15 से 20 दिनों के लिए छाया में स्टोर करें, 30% नमी बनाए रखें। बुआई या रोपाई से पहले इस समृद्ध मिश्रण को 1 हैक्टेयर में समान रूप से फैलाएं।

सावधानियाँ :

- यह किसी भी रासायनिक कीटनाशक, पानी में घुलनशील उर्वरकों और सूक्ष्म पोषक तत्वों के साथ मिलाकर उपयोग किया जा सकता है (जीवाणु और कार्बेन्डाजिम को छोड़कर)।
- सर्वोत्तम परिणामों के लिए नीरंज जेल के साथ 5 ग्राम / लीटर का उपयोग करें।

NEERANJ GEL (नीरंज जेल)

नीरंज जेल एक वनस्पति जैविक सूत्रीकरण (Botanical Organic Formulation) तथा नीम व पोंगामिया तेल का संयोजन है जो कि पानी में घुलनशील एमलसन है। नीम तथा पोंगामिया का अलग-अलग उपयोग किसानों द्वारा चुनिंदा फसलों में व्यापक रूप से किया जा रहा है, हालांकि यह पहली बार एक संयोजन उत्पाद होगा जो कि दोनों की गुणों को मिलाकर बनाया गया है। इसका उपयोग फलों, सब्जियों और फूलों की फसलों में एकीकृत कीट प्रबंधन (आईपीएम) के एक भाग के रूप में किया जाता है।

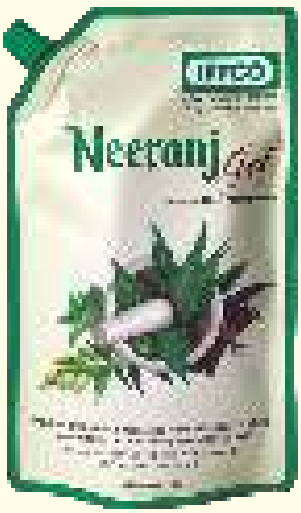

उपयोग से लाभ:

- यह सभी फसलों में रस चूसने और लेपिडोप्टेरियन कीटों के प्रबंधन के लिए एक अनूठा उत्पाद है।
- इसका उपयोग जैविक और गहन खेती दोनों में किया जा सकता है
- इसका उपयोग छिड़काव और ड्रेंचिंग के द्वारा किया जा सकता है।
- इसका उपयोग जल विलेय उर्वरकों तथा कृषि रसायनों की कार्य क्षमता को बढ़ाने में प्रयोग किया जाता है। इससे कृषि रसायनों के उपयोग में काफी कमी आता है।

प्रयोग विधि:

- सभी फसलों, सब्जियों और फलों के लिए उपयुक्त
- स्प्रे: 5 से 10 ग्राम / लीटर पानी
- स्प्रे करने के लिये पहले सस्पेंशन तैयार करें। सस्पेंशन तैयार करने के लिए एक बाल्टी में 500 से 1000 ग्राम नीरंज जेल को 10 लीटर पानी में अच्छी तरह से मिलाएं। स्प्रे के समय इस सस्पेंशन के 10 लीटर को 90 लीटर पानी में मिलाकर स्प्रे करें।

जैव उर्वरक

आजकल खेती रासायनिक उर्वरकों पर निर्भर हैं। इनका उत्पादन एवं उपयोग दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। फिर भी उर्वरक आवश्यकता में हम आत्मनिर्भर नहीं हो पाये हैं। रासायनिक उर्वरकों के आयात में भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च हो रही है। रासायनिक उर्वरकों के साथ-साथ जैव उर्वरकों की भी संभावनाएं प्रबल हुई हैं। क्योंकि इससे न केवल पोषक तत्वों की आपूर्ति होती है बल्कि मृदा उर्वरता भी स्थिर बनी रहती है। यह देखा गया है कि जैव उर्वरकों का पूरक के रुप में प्रयोग करने से रासायनिक उर्वरकों की उपयोग क्षमता बढ़ती है जिससे उपज में वृद्धि होती है।

जैव उर्वरक क्या है?

जैव उर्वरक जीवाणु खाद है। प्रयोग द्वारा सिद्ध किया जा चुका है कि जैव उर्वरक के प्रयोग से 30-40 किग्रा नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर भूमि को प्राप्त हो जाती है। यह भी देखा गया है कि जैव उर्वरकों के प्रयोग से उपज में 10-20% तक वृद्धि होती है। जैव उर्वरक, रासायनिक उर्वरकों के पूरक तो है ही, उनकी क्षमता भी बढ़ाते हैं।

जैव उर्वरकों के लाभ -

1. जैव उर्वरक सस्ते होते हैं और कम खर्च में उत्पादन बढ़ाने का कार्य करते हैं।
2. जैव उर्वरक वायुमण्डल की नाइट्रोजन को फसलों को उपलब्ध कराते हैं। मिट्टी के अघुलशील फास्फोरस, पोटाश, जिंक एवं अन्य तत्वों को घुलनशील बनाते हैं तथा अगली फसल को भी लाभ पहुंचाते हैं।
3. जैव उर्वरक वृद्धिकारक हारमोन्स उत्पन्न करते हैं जिनसे पौधों की वृद्धि पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है।
4. मृदाजन्य रोगों पर नियंत्रण, सूक्ष्म जीवों की संख्या में आशातीत वृद्धि तथा पर्यावरण सुरक्षा जैसे उर्वरकों के अन्य प्रमुख लाभ हैं।
5. जैव उर्वरक, रासायनिक उर्वरकों का स्थान नहीं ले सकते। हाँ, इनकी आवश्यक मात्रा को कम कर सकते हैं।

जैव उर्वरकों का उपयोग विधि-

1. **बीज उपचार** - बीज द्वारा बोयी जानी वाली फसलों में मुख्यत: बीज उपचार विधि ही अधिक लाभकारी मानी गयी है। इस विधि से जैव उर्वरकों की मात्रा सबसे कम लगती है परन्तु प्रभाव बीज जमाव से ही देखा जा सकता है।

जैव उर्वरक से बीज उपचार:

- 250 मिली तरल जैव उर्वरक को 2-3 ली. स्वच्छ पीने योग्य पानी में घोल बनायें।
- जैव उर्वरक घोल को, 50-60 किग्रा बीज के ढेर पर धीरे-धीरे डालकर हाथों से मिलाये जिससे कि जैव उर्वरक समान रुप से बीजों पर चिपक जाये।
- 15 से 20 मिनट में कुछ पानी बीज द्वारा सोख लिया जाता है तथा शेष पानी 10 मिनट में उपचारित बीजों का रखने पर सूख जाता है।
- उपचारित बीज को छाया में सुखाकर तुरन्त बुवाई करें।

2. **जड़ उपचार** – यह विधि रोपाई की जाने वाली फसलें जैसे टमाटर, बैंगन, गोभी, मिर्च, प्याज आदि के लिए सर्वोत्तम है। इस विधि से जैव उर्वरकों की मात्रा बीज उपचार की अपेक्षा कुछ अधिक लगती है परन्तु जड़ उपचार विधि द्वारा अधिक संख्या में जीवाणु पौध के जड़ों पर चिपक कर जड़ों के पास पहुँच जाता है, जिससे उपचारित पौध का विकास उत्तम होता है।

जैव उर्वरक से जड़ उपचार:

- 250 मिली तरल जैव उर्वरक को 4 से 5 ली. स्वच्छ पीने योग्य पानी में घोल बनायें।
- इस घोल में वांछित पौध की जड़ को 20-30 मिनट तक घोल में डुबा कर रखें।
- तत्पश्चात् उपचारित पौध को घोल से निकाल कर पुन: दूसरी पौध की जड़ों को उसी घोल में डूबोकर उपचारित करें।
- उपचारित पौध को छाया में अच्छी तरह से सुखाकर शीघ्र रोपाई करें।

3. **मृदा उपचार** – सबसे सरल विधि है-
   1. 300-400 मिली तरल जैव उर्वरक प्रति एकड़ की आवश्यकता पड़ती है।
   2. यदि एक से अधिक जैव उर्वरक का प्रयोग करने की अवस्था में प्रत्येक जैव उर्वरक का 250 मिली प्रति एकड़ की दर से प्रयोग करें।
   3. जैव उर्वरक को 50 से 100 किग्रा मिट्टी/बालू अथवा कम्पोस्ट में अच्छी तरह मिलायें।
   4. इस तरह तैयार मिश्रण को बुआई के समय या 24 घण्टे पूर्व एक एकड़ क्षेत्रफल में समान रुप से छिड़के या कूड में डालें।

सावधानियाँ –

1. जैव उर्वरक को धूप से बचाकर छायादार ठंडे स्थान पर रखें।
2. फसल विशेष के अनुरुप ही जैव उर्वरक का चुनाव करें ।
3. रासायनिक उर्वरकों तथा कीटनाशक दवाओं से जैव उर्वरकों को दूर रखें तथा जैव उर्वरकों का प्रयोग इन रासायनों के साथ मिलाकर न करें।

इफको राइजोबियम

- राइजोबियम नत्रजन स्थिर करने वाला एक जैव उर्वरक है।
- सभी दलहनी फसलों (चना, मटर, उर्द, मसूर, सोयाबीन, मूँगफली, बरसीम, इत्यादि) के लिये उपयुक्त है।
- फसल विशेष के अनुरुप अलग अलग राइजोबियम जैव उर्वरक का प्रयोग करें।
- 250, 500 व 1000 मिलीलीटर की पैकिंग में तरल रुप में उपलब्ध।

लाभ:

1. राइजोबियम के उपयोग से 50 से 100 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर फसलों को उपलब्ध होता है।
2. उपज में 25 से 35 प्रतिशत की वृद्धि।
3. 100 से 200 किलोग्राम यूरिया प्रति हेक्टेयर की बचत।

उपयोग विधि:

बीज उपचार: 250 मिली लीटर जैव उर्वरक एक एकड़ बीज के उपचार के लिये उपयोग करें।

इफको एजोटोबेक्टर/एजोस्पाइरिलम/एसिटोबेक्टर

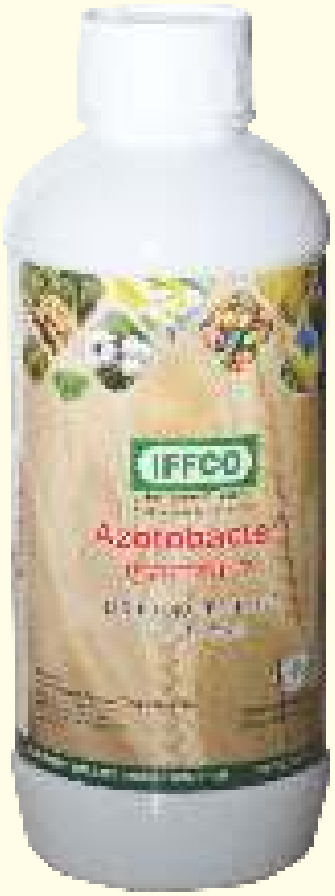

- एजोटोबेक्टर स्वतंत्र जीवी, सर्वव्यापी आक्सीजन की उपस्थिति में वायुमण्डलीय नत्रजन का स्थिरीकरण करने वाला जैव उर्वरक है।
- यह जैव उर्वरक भी नत्रजन परिवर्तित कर पौधों को उपलब्ध कराता है तथा वृद्धि हार्मोन बनाता है, जिससे जड़ों का विकास होता है।
- यह कुछ कीटनाशक पदार्थ भी छोड़ता है, जिससे जड़ों की बीमारियों से रक्षा होती है।
- सभी फसलों के लिये उपर्युक्त।
- 250, 500 व 1000 मिलीलीटर की पैकिंग में तरल रुप में उपलब्ध।

लाभ:

1. एजोटोबैक्टर के उपयोग से 30 से 40 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर फसलों को उपलब्ध होता है।
2. उपज में 10 से 20 प्रतिशत की वृद्धि।
3. 60 से 80 किलोग्राम यूरिया प्रति हैक्टेयर की बचत।

उपयोग विधि:

बीज, जड़ एवं मृदा उपचार।

इफको एन.पी.के. कन्सार्टिया

- इफको एन.पी.के. कन्सार्टिया, जीवाणुओं के कई वंशज जैसे राइजोबियम के 3 प्रजाति, एजोटोबैक्टर, एजोस्पाइरिलम, फास्फोबैक्टीरिया-स्यूडोमोनास व पोटाश घोलक-बैसिलस प्रजाति के जीवाणुओं को अलग-अलग संवर्धन करने के उपरान्त समिश्रित कर बनाया गया है।
- इफको एन.पी.के. कन्साट्रिया सभी फसलों के लिये उपर्युक्त।
- 250, 500 व 1000 मिलीलीटर की पैकिंग में तरल रुप में उपलब्ध।

लाभ:

1. इफको एन.पी.के. कन्साट्रिया के उपयोग से 25 से 30 किलोग्राम नाइट्रोजन, 20 से 25 किलोग्राम फास्फोरस तथा 10 से 15 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर फसलों को उपलब्ध होता है।
2. उपज में 10 से 20 प्रतिशत की वृद्धि।
3. 50 से 60 किलोग्राम यूरिया, 40 से 50 किलोग्राम डी.ए.पी. तथा 15 से 25 किलोग्राम एम.ओ.पी प्रति हेक्टेयर की बचत।

उपयोग विधि:

बीज, जड़ एवं मृदा उपचार।

इफको फास्फोरस घोलक जैव उर्वरक (पी.एस.बी.)

- इफको पी.एस.बी. मृदा में उपस्थित कार्बनिक व अकार्बनिक अघुलनशील फास्फोरस को घुलनशील करने वाला एक जैव उर्वरक है।
- इफको पी.एस.बी. का उपयोग दलहनी फसलों सहित सभी फसलों एवं सभी मौसम में करना विशेष लाभकारी होता है।
- 250, 500 व 1000 मिलीलीटर की पैकिंग में तरल रुप में उपलब्ध।

लाभ:

1. सामान्यत: इफको पी.एस.बी. के उपयोग से फास्फोरस की उपलब्धता में 30-50 प्रतिशत की वद्धि हो जाती है।
2. इफको पी.एस.बी. के उपयोग से 20 से 30 किलोग्राम फास्फोरस प्रति हेक्टेयर फसलों को उपलब्ध होता है।
3. उपज में 10 से 20 प्रतिशत की वृद्धि।
4. 40 से 60 किलोग्राम डी.ए.पी. प्रति हेक्टेयर की बचत।

उपयोग विधि:

बीज, जड़ एवं मृदा उपचार।

इफको पोटाश मोबिलाइंजिंग जैव उर्वरक (के.एम.बी.)

- इफको के.एम.बी. मृदा में उपस्थित पोटाश की उपलब्धता को बढ़ाने वाला एक जैव उर्वरक है।
- इफको के.एम.बी. का सभी फसलों एवं सभी मृदाओं में उपयोग करना विशेष लाभकारी होता है।
- 250, 500 व 1000 मिलीलीटर की पैकिंग में तरल रुप में उपलब्ध।

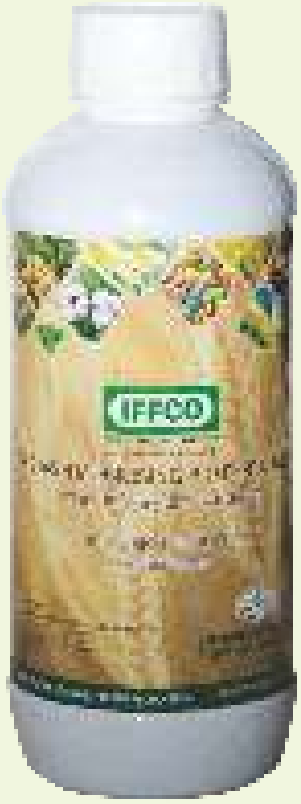

लाभ:

1. के.एम.बी. के उपयोग से 10 से 15 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर फसलों को उपलब्ध होता है।
2. उपज में 10 से 20 प्रतिशत की वृद्धि।
3. 15 से 25 किलोग्राम एम.ओ.पी. प्रति हेक्टेयर की बचत।

उपयोग विधि:

बीज, जड़ एवं मृदा उपचार।

इफको जिंक घोलक जैव उर्वरक (जेड.एस.बी.)

- इफको जेड.एस.बी. मृदा में उपस्थित जिंक को घोलकर, फसलों को उपलब्ध कराने वाला एक जैव उर्वरक है।
- इफको जेड.एस.बी. का उपयोग सभी फसलों एवं सभी मृदाओं में करना विशेष लाभकारी होता है।
- 250, 500 व 1000 मिलीलीटर की पैकिंग में तरल रुप में उपलब्ध।

लाभ:

1. इफको जेड.एस.बी. के उपयोग से 2 से 5 किलोग्राम जिंक प्रति हेक्टेयर फसलों को उपलब्ध होता है।
2. उपज में 10 से 20 प्रतिशत की वृद्धि।
3. 6 से 15 किलोग्राम मोनो जिंक सल्फेट प्रति हैक्टेयर की बचत।

उपयोग विधि:

बीज, जड़ एवं मृदा उपचार।

इफको बायोडिकम्पोजर (जैव अपघटक)

- इफको बायोडिकम्पोजर एक लाभकारी सूक्ष्म जीवों का समूह है, जो कि फसल अवशेष, पशुओं का बिछावन, गोबर तथा अन्य कचरों को जैविक खाद के रुप में तेजी से बदलकर कृषि हेतु उपयोगी बना देता है।
- इफको बायोडिकम्पोजर कृषि के कचरे तथा फसल अवशेष प्रबंधन की एक सस्ती एवं कारगर तकनीक है।
- इफको बायोडिकम्पोजर की एक बोतल से एक वर्ष में एक लाख मीट्रिक टन से अधिक जैविक खाद का उत्पादन किया जा सकता है।
- 20 ग्राम की पैकिंग में तरल रुप में उपलब्ध

लाभ:

- फसल अवशेषों का कम्पोस्ट बनाने में उपयोगी।
- पशुओं का बिछावन, गोबर तथा अन्य कचरों का जैविक खाद बनाने में उपयोगी।
- बीज उपचार करके बीज से होने वाली विभिन्न बीमारियों की रोक-थाम में उपयोगी।
- पर्णीय छिड़काव के द्वारा विभिन्न कीट तथा बीमारियों की रोक-थाम में उपयोगी।
- टपक सिंचाई पद्धति (ड्रिप सिंचाई) के द्वारा प्रयोग करने से मिट्टी की उर्वराशक्ति में वृद्धि।
- इफको बायोडिकम्पोजर का उपयोग कर उत्पादन लागत कम करके शुद्ध आय को बढ़ाये जाने में सहायक।

उपयोग विधि:

इफको बायोडिकम्पोजर के उपयोग के लिये सर्वप्रथम बायोडिकम्पोजर का घोल (Stock Solution) तैयार किया जाता है।

बायोडिकम्पोजर घोल (Stock Solution) तैयार करने की विधि:

1. एक प्लास्टिक के ड्रम में 200 लीटर पानी लें तथा इसमें 2 किलोग्राम गुड़ को घोलें।
2. बायोडिकम्पोजर की एक शीशी (बोतल) को (शीशी में उपस्थित सामग्री को बिना हाथ से छुये) ड्रम में घोलें।
3. एक लकड़ी के डंडे की सहायता से ड्रम के पानी में बायोडिकम्पोजर को अच्छी तरह से मिला दें तथा ड्रम को एक कागज अथवा कपड़े से ढक दें।
4. घोल को प्रतिदिन दो बार लकड़ी के डंडे से अच्छी तरह से हिलायें। 5 से 7 दिन में ड्रम के घोल की ऊपरी सतह पर झागदार परत बन जायेगी तथा घोल का रंग मटमैला हो जायेगा।
5. अब यह घोल उपयोग के लिये तैयार है।

इसी घोल से बार-बार बायोडिकम्पोजर का घोल (Stock Solution) तैयार किया जा सकता है:

1. एक दूसरे प्लास्टिक ड्रम में तैयार किये घोल से 20 लीटर घोल तथा 2 किलोग्राम गुड़ को 200 लीटर पानी में मिला दें तथा ऊपर दी गई प्रक्रिया को 7 दिन तक दोहरायें। 7 दिन में पुन: बायोडिकम्पोजर का घोल (Stock Solution) तैयार हो जायेगा।

   उपरोक्त बायोडिकम्पोजर का घोल (Stock Solution) का उपयोग फसल अवशेषों को कम्पोस्ट बनाने, जैविक खाद बनाने, बीज उपचार करने, पर्णीय छिड़काव करने तथा ड्रिप के द्वारा किया जा सकता है।

बायोडिकम्पोजर घोल से फसल अवशेषों को कम्पोस्ट बनाने की विधि:

1. फसल की कटाई के पश्चात खेत में बचे फसल अवशेषों पर 200 लीटर बायोडिकम्पोजर के घोल का प्रति एकड़ की दर से छिड़काव कर खेत में सिंचाई करें।
2. जल की कमी वाले क्षेत्रों में खेत में बचे फसल अवशेषों पर 200 लीटर बायोडिकम्पोजर के घोल का प्रति एकड़ की दर से छिड़काव कर छोड़ दें तथा जब किसान खेत में सिंचाई करते हैं तो इन अवशेषों के विघटन की प्रक्रिया प्रारम्भ हो जाती है।
3. इस प्रकार कुछ समय पश्चात सम्पूर्ण फसल अवशेष जैविक खाद में बदल जाती है।

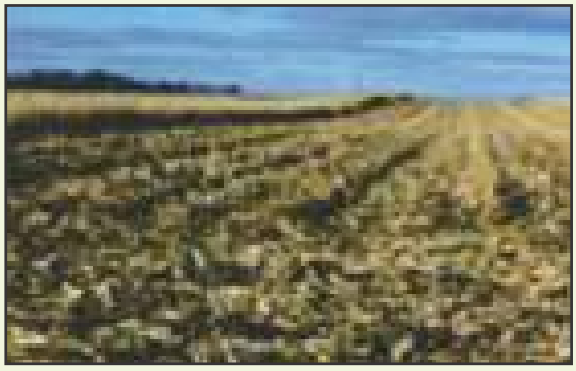

बायोडिकम्पोजर घोल से जैविक खाद बनाने की विधि:

1. एक टन कृषि अपशिष्ट, गोबर, रसोई की कचरे आदि का 18-20 से.मी. मोटी परत की जमीन पर ढेर बना लें।
2. इस ढेर को बायोडिकम्पोजर के घोल से गीला कर लें।
3. इस परत पर उतनी ही मोटाई की एक अन्य परत बिछा दें तथा दोबारा बायोडिकम्पोजर के घोल से गीला कर दें।

4. यह प्रक्रिया 3 से 4 बार दोहरायें तथा अंतिम परत के ऊपर एक बार पुन: बायोडिकम्पोजर के घोल से गीला कर दें।
5. अच्छी व तीव्र गति से खाद बनने के लिये 7 दिन के अंतराल पर ढेर को उलट पलट करते रहें।

6. खाद बनने के दौरान 60-65 प्रतिशत नमी बनाये रखें।
7. आवश्यकता पड़ने पर ढेर पर और बायोडिकम्पोजर के घोल को मिलाया जा सकता है।
8. उपरोक्त विधि से 30 से 40 दिनों में गुणवत्तायुक्त जैविक खाद उपयोग हेतु तैयार हो जाती है।

बायोडिकम्पोजर घोल से बीज उपचार करने की विधि:

1. बुआई से पूर्व सभी प्रकार के फ़सलों के बीज पर 5 मिलीलीटर बायोडिकम्पोजर के घोल का प्रति किलोग्राम बीज की दर से समान रूप से छिड़काव करें।
2. उपचारित बीज को 30 मिनट तक छाया में सुखाकर बुआई करें।

बायोडिकम्पोजर घोल का ड्रिप सिंचाई के द्वारा उपयोग:

1. 200 लीटर बायोडिकम्पोजर के घोल का प्रति एकड़ की दर से ड्रिप के द्वारा सिंचाई करें।
2. बायोडिकम्पोजर के उपयोग से मृदा मुलायम व नरम बन जाती है।
3. खेत की जैविक, रासायनिक तथा भौतिक दशा को सुधारता है तथा इस प्रकार खेत की उर्वराशक्ति को बढ़ाता है।
4. सूक्ष्म जीवों की वृद्धि करता है तथा एंजाइमों व कार्बनिक अम्लों का उत्पादन करके फसल अवशेषों में उपस्थित पोषक तत्वों को मुक्त करके फसलों को उपलब्ध कराता है।

बायोडिकम्पोजर घोल का पर्णीय छिड़काव द्वारा उपयोग:

1. बायोडिकम्पोजर के घोल तथा पानी का 1: 3 अनुपात के घोल का पर्णीय छिड़काव करें।
2. 200 लीटर (बायोडिकम्पोजर के घोल+पानी) का प्रति एकड़ की दर से उपयोग करें।
3. बायोडिकम्पोजर के पर्णीय छिड़काव से कीटों तथा बीमारियों का नियंत्रण होता है।

सही उत्पाद
स्वस्थ फसल

IFFCO
Wholly Owned by Cooperatives

स्वस्थ फसल
खुशहाल किसान

किचन गार्डनिंग सम्बंधित उत्पाद

अब इफको के उत्पाद घर बैठे iffcobazar.in पर खरीदें

मैजिक सॉयल (Magic Soil)

यह एक असाधारण मिट्टी है जिसमें आप कई प्रकार के पौधे लगा सकते हैं। इसमें विभिन्न प्रकार के सूक्ष्म एवं द्वितीय पोषक तत्त्व मौजूद हैं, जैसे नाइट्रोजन, फास्फोरस, कैल्शियम, मैग्नीशियम इत्यादि। ये उत्पाद पौधे की वानस्पतिक एवं प्रजनन सम्बन्धी विकास करने में कारगार साबित है एवं यह पौधे के सम्पूर्ण जीवन काल तक सही मात्रा में पोषक तत्त्वों को ग्रहण करने में अहम भूमिका निभाता है। इसके साथ-साथ इस उत्पाद में मौजूद तत्त्व मिट्टी में सही मात्रा में वायु संचार एवं नमी बनाये रखते हैं।

फायदे

- प्रयोग के लिए पूरी तरह से एक तैयार उत्पाद।
- पोषक तत्त्वों को सही मात्रा में पौधे को प्रदान करता है।
- सभी प्रकार के पौधों के लिए उपयुक्त।
- पोषक तत्त्वों के सही असर को पौधे के विकास के रूप में दिखाने में इस उत्पाद का कोई तोड़ नहीं।

कैसे इस्तेमाल करें ?

- गमले को मैजिक सॉइल से भर लें।
- पौधे का प्रत्यारोपण करें एवं आवश्यकता अनुसार पानी डालें।
- 5 किलोग्राम मैजिक सॉइल, 12 इंच व्यास वाले गमले में या 5 स्क्वायर फीट की क्यारी (आधे इंच गहराई) के लिए उपयुक्त है।
- ध्यान रखें पौधे को गमले में डालते समय किसी भी प्रकार से जड़ों को न छेड़े।

तुलसी ग्रो (Tulsi Grow)

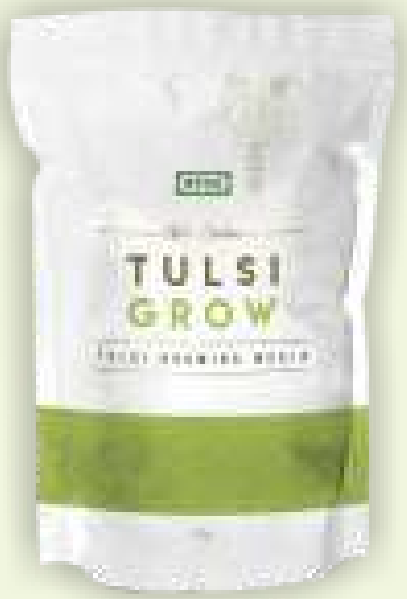

तुलसी ग्रो एक पूर्ण प्राकृतिक उत्पाद है जिसमें किसी भी प्रकार के जानवर का मल नहीं इस्तेमाल किया गया है, न ही इसमें किसी प्रकार का कोई रसायन डाला गया है। इस उत्पाद को तुलसी के पौधे की आध्यात्मिक महत्त्वता को देखते हुए बनाया गया है। इस उत्पाद में सभी प्रकार के सूक्ष्म एवं द्वितीय पोषक तत्त्व पाए जाते हैं जो पौधे को सम्पूर्ण विकास में सहायता करते हैं। ये उत्पाद पौधे को लम्बे समय तक स्वस्थ रखता है एवं उसकी हरियाली भी बनाये रखता है। इस उत्पाद का प्रयोग तुलसी के अलावा अन्य पौधे में भी किया जा सकता है।

फायदे

- ये एक शत-प्रतिशत प्राकृतिक उत्पाद है।
- रसायन एवं मल मुक्त शुद्ध जैविक उत्पाद।
- मौजूद तत्त्व पौधे को एक व्यवस्थित तरीके से पोषण पहुंचाते हैं, जिससे पौधा लम्बे समय तक स्वस्थ्य रहें।
- पौधे की प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने में भी इसकी अहम भूमिका है।
- पौधे में पुष्पन को भी बढ़ाने में इसकी उपयोगिता है।

कैसे इस्तेमाल करें ?

- गमले को तुलसी ग्रो से भर ले।
- तुलसी के पौधे को प्रत्यारोपित करें एवं आवश्यकता अनुसार पानी डालें।
- सुनिश्चित करें कि पौधे का तना उत्पाद में न जाये और सिर्फ जड़ों को ही इसमें डालें।

न्यूट्री रिच (Nutri-Rich)

न्यूट्री रिच एक खास तौर से तैयार किया गया केंचुआ खाद है जिसकी महत्त्वता लोग दशकों से समझते आ रहे हैं। इसमें शुद्ध गाय का गोबर, खास किस्म के सूक्ष्म जीवों एवं पोषक तत्त्व जैसे नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटेशियम, कैल्शियम इत्यादि का मिश्रण है। इसमें समुद्री शैवाल भी मिलाया गया है जिससे पौधे की वातावरण के दबावों को सहने की एवं पोषक तत्त्वों को ग्रहण करने की क्षमता बढ़ती है।

फायदे

- मिट्टी के अंदर वायु संचार एवं नमी को बनाये रखता है।
- मिट्टी की गुणवत्ता में कई गुणा सुधार करता है।
- मिट्टी में फायदेमंद सूक्ष्म जीवों की संख्या को बढ़ाता है।

कैसे इस्तेमाल करें ?

- गमलों में लगे हुए पौधों के लिए 200 ग्राम प्रति किग्रा मिट्टी की दर पर इस्तेमाल करें।
- क्यारियों के लिए मिट्टी के ऊपर एक इंच की परत बनाए एवं इसे खुरपी से मिला ले।
- इस प्रक्रिया को हर 10 से 12 दिन पर दोहराये।

प्रोटेक्ट + (Protect+)

प्रोटेक्ट+ ये सुनिश्चित करता है कि पौधे में किसी प्रकार के मिट्टी से उपजे हुए कीटाणु जैसे निमेटोड या फंगस का असर न हो एवं पौधा सम्पूर्ण रूप से सभी जड़ों की समस्या से सुरक्षित रहे। ये एक अनुकूलित उत्पाद है जिसमें प्राकृतिक रूप से उपलब्ध कीटनाशक जैसे नीम एवं सूक्ष्म जीवों का इस्तेमाल किया गया है। ये मिट्टी की गुणवत्ता बढ़ाने में भी सहायक है एवं इसमें कई प्रकार के सूक्ष्म एवं द्वितीयक तत्त्व भी मौजूद हैं जो पौधे के विकास के लिए फायदेमंद हैं।

फायदे

- पौधे को प्राकृतिक रूप से सुरक्षित रखता है।
- पौधे की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत रखता है।
- पोषक तत्वों को एक निश्चित तरीके से पौधे तक पहुंचाने में सक्षम।
- ये सिर्फ हानिकारक सूक्ष्म जीवों को नष्ट करता है।
- किचन गार्डन एवं अन्य पौधों के लिए एक महत्त्वपूर्ण उत्पाद।

कैसे इस्तेमाल करें ?

- प्रोटेक्ट+ को ऊपरी मिट्टी पर छिड़क कर अच्छे से मिला लें।
- 25 ग्राम का इस्तेमाल 1 किग्रा मिट्टी के लिए उपयुक्त है।
- इस प्रक्रिया को हर 10 से 12 दिन में दोहरायें।

ग्रीन डाइट (Green Diet)

ग्रीन डाइट सही मायनों में पोषण से भरपूर एक उत्पाद है जो पौधों के लिए अत्यन्त लाभकारी है। ये सूक्ष्म एवं द्वितीय तत्त्वों का एक बेजोड़ मिश्रण है, जिसे आप पौधे के पत्तों पर साप्ताहिक छिड़काव करके असाधारण लाभ ले सकते हैं। यह उत्पाद तात्कालिक प्रभाव से पौधों को पोषण प्रदान करता है जिससे पौधों में सम्पूर्ण विकास होता है।

फायदे

- पौधों को तात्कालिक पोषण प्रदान करता है।
- फूलों एवं पत्तों का विकास करता है।
- पौधे को शक्ति प्रदान करता है एवं हरा भरा रखता है।
- इसे इस्तेमाल करना बेहद आसान है।

कैसे इस्तेमाल करें ?

- छिड़काव से पहले बोतल को अच्छे से हिला लें।
- सुनिश्चित करें कि पत्तों के ऊपर बराबरी से छिड़काव हो।
- साप्ताहिक प्रयोग करें।

सी सीक्रेट (Sea Secret)

सी सीक्रेट लाल एवं भूरे समुद्री शैवाल से निर्मित है और पौधे की वानस्पतिक एवं अन्य प्रकार की वृद्धि करने में सहायक है। इसे एक मेटाबोलिक एनहांसर के रूप में भी जाना जाता है। ये पौधे के आंतरिक विकास एवं दबाव को सहने की क्षमता एवं पोषण ग्रहण करने की क्षमता को बढ़ाता है। सी सीक्रेट एक चमत्कारी उत्पाद है जो कि ऑक्सिन, जीबेरलीन एवं साइटोकाइनिन से युक्त है।

फायदे

- पौधे को जरूरी पोषक तत्वों को पहुंचाने में सहायक है।
- जड़ों के विकास में वृद्धि करने में अहम भूमिका निभाता है।
- मिट्टी में सूक्ष्म जीवों की अधिकता को भी बनाये रखता है।
- वातावरण के दबाव से भी लड़ने की शक्ति को बनाये रखता है।

कैसे इस्तेमाल करें ?

- मिट्टी की ऊपरी सतह पर छिड़काव करके मिला दें।
- 25 से 30 ग्राम सी सीक्रेट प्रति 12 इंच के व्यास वाले गमले में इस्तेमाल करें।
- इस प्रक्रिया को हर 15 दिन पर दोहरायें।

लाइफ प्रो (Life Pro)

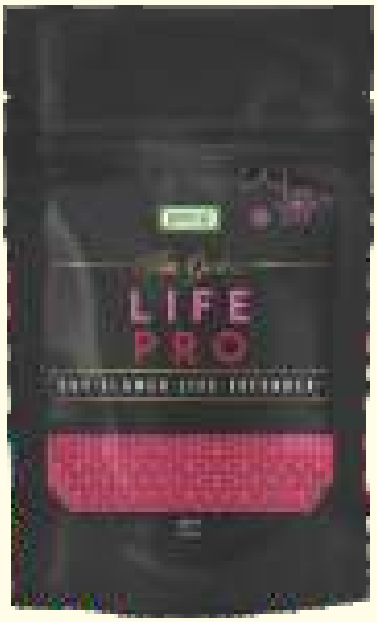

ताजे फूल सही मायनों में हर वातावरण को खुशनुमा बना देते हैं, लेकिन वे जल्दी सूख भी जाते हैं एवं उनकी रौनक धूमिल हो जाती है। हमारा यह उत्पाद हर उस पोषक तत्त्वों के मिश्रण से निर्मित है जो कि पौधे से अलग फूल को भी लम्बे समय तक तरो-ताजा रखता है।

फायदे

- फूलों को सही पोषक तत्त्व प्रदान करता है।
- पीएच सामान्य बनाये रखता है एवं खतरनाक जीवाणुओं को पनपने नहीं देता।
- फूलों को लम्बे समय तक खिला हुआ एवं ताजा रखता है।

कैसे इस्तेमाल करें ?

- 10 ग्राम लाइफ प्रो को एक लीटर हल्के गर्म पानी में मिला दें।
- इस मिश्रण को एक साफ फूलदान में डालें।
- ध्यान रखें कि फूल का तना तिरछा कटा हो एवं उसका दो तिहाई हिस्सा पानी के अंदर डूबा हो।

बोकाशी (Bokashi)

बोकाशी को धान की खली एवं बैक्टीरियल कल्चर से बनाया गया है जिसमें करोड़ों सूक्ष्म जीव पनपते हैं जो कि रसोई से निकले हुए जैविक कचरे को खाद बनाने में सहायक है। ये उत्पाद जैविक कचरे को उपयोगी खाद बनाने की प्रक्रिया तेज करता है।

फायदे

- रसोई घर के कचरे को जैविक खाद बनाता है।
- किसी प्रकार की दुर्गंध नहीं आती अगर खाद बनाने की प्रक्रिया हवा के अनुपस्थिति में किया जाये।

कैसे इस्तेमाल करें ?

- डस्टबिन में कचरे को डालें एवं उसमें बोकाशी का छिड़काव कर अच्छे से दबा दें।
- जब भी कचरा डस्टबिन डालें तो उपरोक्त प्रक्रिया को दोहरायें।
- डस्टबिन के भर जाने के बाद उसे 4 हफ्ते का समय दें।
- डस्टबिन से हर दो चार दिन पर तली में जमा हुए पानी को निकालते रहे एवं इसे 1:100 के अनुपात से पानी में मिलाकर पौधों पर छिड़काव करें।
- गमले में मिट्टी के साथ परत दर परत इस खाद को मिलाकर 2 से 4 हफ्तों तक रखें
- इस तैयार मिश्रण में पौधे का प्रत्यारोपण करें।

इफको राज्य कार्यालय

तीसरी मंजिल, नेहरु सहकार भवन, भवानी सिंह मार्ग, जयपुर–302001					
क्र.सं.	स्थान	नाम	पदनाम	मोबाइल नं.	ई मेल पता
1	जयपुर	श्री किशन सिंह	राज्य विपणन प्रबंधक	0141-2740660	smm_rajasthan@iffco.in
2	जयपुर	श्री आर. एल. सेठी	मु. प्रबंधक (वि.)	8427888660	roshanlalsethi@iffco.in
3	जयपुर	डा. ए. पी. सिंह	वरि. प्रबंधक (कृ.से.)	9971325763	ap_singh@iffco.in
4	जयपुर	श्री धर्मेंद्र सिंह	सहा. प्रबंधक (मृ.परी.)	9660048499	dharmendersingh@iffco.in
5	जयपुर	श्री महेंद्र कुमार निठारवाल	सहा. प्रबंधक (वि.)	9530461795	mahendranitharwal@iffco.in
राजस्थान राज्य में कार्यरत फील्ड स्टाफ					
6	झालावड़	श्री सोहन लाल जैन	मु. क्षे. प्रबंधक	7727008142	fo_jhalawar@iffco.in
7	टोंक	श्री अजय गुप्ता	मु. क्षे. प्रबंधक	7727008158	fo_tonk@iffco.in
8	भरतपुर	श्री पी आर सिहाग	मु. क्षे. प्रबंधक	7727008156	fo_bharatpur@iffco.in
9	भीलवाड़ा	श्री वी एल कुमावत	मु. क्षे. प्रबंधक	7727008114	fo_bhilwara@iffco.in
10	चुरु	श्री एस एल सहारण	मु. क्षे. प्रबंधक	7727008121	fo_churu@iffco.in
11	करौली	श्री योगेन्द्र कुमार	वरि. क्षे. प्रबंधक	7727008143	fo_karauli@iffco.in
12	जालोर	श्री निर्भय चौधरी	वरि. क्षेत्र प्रबंधक	7727008132	fo_jalore@iffco.in
13	अलवर	डा. गोपेश कुमार	वरि. क्षेत्र प्रबंधक	7727008128	fo_suratgarh@iffco.in
14	बांसवाड़ा	डा. बालूराम यादव	वरि. क्षेत्र प्रबंधक	7727008116	fo_banswara@iffco.in
15	बून्दी	श्री जय पाल सिंह	क्षेत्र प्रबंधक	7727008144	fo_bundi@iffco.in
16	बीकानेर	श्री विजय सिंह लाम्बा	क्षेत्र प्रबंधक	7727008123	fo_bikaner@iffco.in
17	हनुमानगढ़	श्री एम आर जाखड़	क्षेत्र प्रबंधक	7727008124	fo_hanumangarh@iffco.in
18	जयपुर	श्री सुरेन्द्र कुमार घायल	उप. क्षेत्र प्रबंधक	7727008155	fo_jaipur@iffco.in
19	अजमेर	श्री रामस्वरुप जाट	सहा. क्षेत्र प्रबंधक	7727008154	fo_ajmer@iffco.in
20	श्रीगंगानगर	श्री शशी प्रकाश जाखड़	सहा. क्षेत्र प्रबंधक	7727008157	fo_sriganganager@iffco.in
21	सीकर	श्री शंकर लाल गठाला	सहा. क्षेत्र प्रबंधक	7727008151	fo_sikar@iffco.in
22	चित्तोडगढ़	श्री बृजराज मीणा	सहा. क्षेत्र प्रबंधक	7727008115	fo_chittorgarh@iffco.in
23	प्रतापगढ़	श्री मुकेश कुमार अमेटा	सहा. क्षेत्र प्रबंधक	7727008148	fo_partapgarh@iffco.in
24	दौसा	श्री मनोज चौधरी	सहा. क्षेत्र प्रबंधक	7727008153	fo_dausa@iffco.in
25	सवाईमाधो	श्री मनोज कुमार मीणा	सहा. क्षेत्र प्रबंधक	7727008147	fo_swaimadhopur@iffco.in
26	बांरा	श्री जगदीश कुमार मीणा	सहा. क्षेत्र प्रबंधक	7727008146	fo_baran@iffco.in
27	मेड़तासिटी	श्री लालाराम चौधरी	सहा. क्षेत्र प्रबंधक	7727008134	fo_mertacity@iffco.in
28	जोधपुर	श्री जितेन्द्र कुमार भाखर	सहा. क्षेत्र प्रबंधक	7727008136	fo_jodhpur@iffco.in
29	कोटा	श्री लालाराम	सहा. क्षेत्र प्रबंधक	7727008131	fo_kota@iffco.in
30	बाड़मेर	श्री हरी बाबू जाटव	क्षेत्रीय अधिकारी	7727008137	fo_barmer@iffco.in
31	पाली	श्री राहुल कुमार	कनि.क्षेत्र प्रतिनिधि	9610886344	fo_pali@iffco.in
32	अनूपगढ	श्री रविंद्र डाँगा	कनि.क्षेत्र प्रतिनिधि	8742867578	fo_anoopgarh@iffco.in
33	उदयपुर	श्री प्रवीण लाम्बा	कनि.क्षेत्र प्रतिनिधि	7727008112	fo_udaipur@iffco.in
34	धौलपुर	श्री भजन लाल	कनि.क्षेत्र प्रतिनिधि	7727008159	fo_dholpur@iffco.in
35	कुचेरा	श्री राज कुमार	प्रभारी इफको सेवा केंद्र	7727008135	rj_fsc_kuchera@iffco.in

खरीदने हेतु अपने नजदीकी सहकारी समितियों एवं इफको बिक्री केन्द्रों पर संपर्क करें अथवा वेबसाइट www.iffcobazar.in पर ऑनलाइन आर्डर करके सीधे अपने घर पर मंगा सकते हैं।

इफको द्वारा संकलित एवं जनहित में प्रसारित/रा.का./जयपुर/जून, 2022/10,000

प्रकाशक एवं सम्पादक – कृषि सेवाएं विभाग, राज्य कार्यालय, इफको, जयपुर

मुद्रक - पॉपुलर प्रिन्टर्स, मोती डूंगरी रोड़, जयपुर 0141-2606883